पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

एयरपोर्ट पर रोती दिखीं नोरा फतेही

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 106 ■ मंगलवार, 8 जुलाई 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ में 2 विद्यार्थी स्कूल वैन से गिरे

■ एक गंभीर घायल
■ वैन चालक पकड़ा गया

अंबरनाथ. अंबरनाथ केबी सड़क पर तेजी से जा रही स्कूल वैन से दो मासूम स्कूली विद्यार्थियों के गिरने से एक बच्चा गंभीर घायल हुआ है, तो दूसरे को मामूली चोटें आई हैं. अंबरनाथ पुलिस ने वैन चालक सोलोमन को पकड़ा है. ये घटना सोमवार सुबह 11.30 बजे की है. दोनों विद्यार्थी फातिमा हाईस्कूल के पहली कक्षा के छात्र हैं. स्कूल निजी वैन का नंबर एमएच 05 एफडी 4792 है. चालक स्कूल छूटने के बाद वैन में 12 विद्यार्थियों को खचाखच भरकर तेजी रफ्तारी से केबी रोड पर उमिया टाइल्स के पास विमको नाका जा रहा था, तभी वैन की डिकी खुल गई और वैन में बैठे 2 बच्चे सड़क पर गिर गए. वैन के पीछे आ रहे रिक्शा चालक ने बच्चों को उठाया.

राकांपा विद्यार्थी सेना अध्यक्ष अरबाज कुरैशी भी घटनास्थल पर गए थे. सभी ने मिलकर घायल बच्चों को उठाकर डॉ. जुबेर शाह के अस्पताल ले गए. एक बच्चे के सर पर तीन टांके आए हैं. ऐसा डाक्टर ने हमें बताया है. दूसरे मामूली घायल बच्चे को उपचार के बाद छोड़ दिया गया है. पुलिस ने चालक सोलोमन को पकड़ा है. उससे पूछताछ चल रही है. अरबाज कुरैशी ने हमें बताया कि उन्होंने स्कूल वैन और बसों में अवैध रूप से ज्यादा बच्चों को ले जाने की शिकायत आरटीओ कल्याण से की थी. 10 दिन पूर्व 100 से ज्यादा वैन, बस पर कार्रवाई होने के बाद भी वैन चालक ज्यादा विद्यार्थियों को ले जा रहे हैं. उन्होंने वैन चालक पर कड़क कार्रवाई करने की मांग की है. उन्होंने ये भी कहा कि अच्छा हुआ वैन के पीछे से कोई ट्रक नहीं आ रहा था. बच्चे बच गए हैं. इस खबर ने पूरे शहर में हड़कम्प मचा दिया है.

जून में भी 8-10 छात्र हो चुके हैं घायल

जून में भी ऐसी ही घटना सामने आई थी जब कल्याण आरटीओ अवैध यातायात के खिलाफ कार्रवाई कर रहा था। चालकों की गैरजिम्मेदारी के कारण आठ से दस छात्र घायल हो गए। इस घटना के बाद भी स्कूल व चालकों की लापरवाही सामने आने से नागरिक आक्रोशित हैं तथा स्कूल व चालकों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग कर रहे हैं।

ग्रामीण क्षेत्र में फल-फूल रहा दुग्ध व्यवसाय

■ कल्याण-अंबरनाथ का ग्रामीण क्षेत्र बना मिल्क हब
■ कल्याण, डोंबिवली, नवी मुंबई, ठाणे, मुंबई में दूध की आपूर्ति

पहले किसान डेयरी व्यवसाय और व्यापार दोनों ही करते थे। लेकिन अब आधुनिक युग में यही व्यवसाय एक अच्छा व्यवसाय बन गया है। हम परिवार के पांच लोग काम करते हैं और 40 पशुओं से प्राप्त 200 लीटर दूध शहर में 80 से 100 रुपए प्रति लीटर के हिसाब से बांटा जाता है। और जैसे-जैसे हम नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण दूध और उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं, मांग भी बढ़ रही है।

– **रमाकांत पाटिल**, दूध व्यवसायी किसान

कल्याण. हाजीमलंग क्षेत्र और कल्याण ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों द्वारा तैयार दूध उत्पाद अपनी शुद्धता के कारण वर्तमान में उपभोक्ताओं के मन में भी छा रहे हैं। डेयरी किसानों का कहना है कि आसपास के क्षेत्र में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण दूध की मांग बढ़ गई है।

ठाणे जिले के कल्याण, ठाणे और अंबरनाथ तालुकाओं में पशुधन अस्तबलों की संख्या सबसे अधिक है। यह सबसे अधिक दूध उत्पादन करता है। कृषक समुदाय भी अब गाय और भैंसों के दूध से घी, दही और अन्य उत्पाद तैयार कर रहा है। वे गाय के गोबर से लगभग बारह प्रकार की औषधियां, जैसे धूपबत्ती, अगरबत्ती और मलहम भी तैयार कर रहे हैं। तो युवा उद्यमी कांच की बोतल में बंद दूध उद्योग में सफल हो रहे हैं।

एक ओर रोजगार की तलाश में अलग-अलग दिशाओं में जा रहे युवाओं ने अपना ध्यान डेयरी व्यवसाय जैसे उद्योगों की ओर लगाया है। कई लोग अब अपने काम की गुणवत्ता के कारण रोजगार पाने में सफल हो गए हैं। युवा उद्यमी वर्तमान में डेयरी उद्योग में सफल हो रहे हैं क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के लिए उचित चारा और आश्रय उपलब्ध कराया जा रहा है। कल्याण, अंबरनाथ ग्रामीण क्षेत्र ने शहर के लिए एक केंद्र बनाकर उद्योग में एक सफल छलांग लगाई है।

नये उभरते समाजों में ग्रामीण क्षेत्रों से दूध और डेयरी उत्पादों के साथ-साथ सौंदर्य प्रसाधन, धूप, घी, अगरबत्ती और दवाइयों का उत्पादन भी किया जा रहा है। विशेष रूप से कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के हाजीमलंग क्षेत्र में वसुधैव कुटुम्बकम आध्यात्मिक संस्थान और नारिवली में मौली गोवर्धन गो-शाला में एक उच्च शिक्षित युवा ने दूध और गोबर से अन्य उत्पाद बनाना शुरू कर दिया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में हमारी आंखों के सामने तैयार किए जाने वाले विभिन्न खाद्य पदार्थों की वर्तमान में नागरिकों की ओर से भारी मांग हो रही है। यह देखा गया है कि दूध और अन्य उत्पादों की उपभोक्ताओं की ओर से भारी मांग है, क्योंकि ये स्वच्छता और सुंदरता का एहसास प्रदान करते हैं। हाजीमलंग क्षेत्र के खराड, मंगरुल, चिंचवाली, काकड़वाल और कुंभरली गांवों में सबसे ज्यादा दूध का उत्पादन हो रहा है. गांवों से दूध अंबरनाथ, उल्हासनगर, कल्याण, डोंबिवली और मिठाई दुकानदारों तक पहुंचाया जा रहा है। कल्याण ग्रामीण के किसानों को नवी मुंबई, शिल फाटा, दिवा, पलावा सिटी और रुणवाल सिटी में वितरित किया जा रहा है।

अंबरनाथ में बिजली का गंभीर संकट

■ महावितरण के कुप्रबंधन से नागरिक परेशान

अंबरनाथ. पेड़ों की टहनियों के हाई वोल्टेज तारों से टकराने और पेड़ों के गिरने की घटनाओं के कारण शहर में बिजली आपूर्ति बार-बार बाधित हो रही है। यह भी देखा गया है कि इससे चोरी और सेंधमारी की घटनाओं में वृद्धि हुई है। आज, चूंकि बड़ी संख्या में नागरिक 'वर्क फ्राम होम' कर रहे हैं, इसका नागरिकों पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता अजीत खरात ने इस बात पर रोष व्यक्त किया कि बिजली की कमी और नागरिकों को होने वाली असुविधा के संबंध में महाराष्ट्र वितरण कंपनी और नगरपालिका के साथ कई बार पत्राचार करने के बावजूद, मानसून से पहले शहर में पेड़ों की छंटाई नहीं की जा रही है। नगर निगम के पार्क विभाग को एक बयान भी सौंपा गया है, जिसमें पेड़ों की छंटाई की मांग की गई है।

शहर की सड़कों के किनारे, सोसायटियों की सुरक्षात्मक दीवारों के साथ, बिजली की लाइनों के नीचे और बिजली के खंभों के पास कई पेड़ हाई-वोल्टेज लाइनों पर गिर गए हैं। जीवन ज्योत, हनुमान नगर, कानसाई गांव, एएमपी गेट, भीमनगर, हिल रोड, टेलीफोन एक्सचेंज, गोगटे, शिवश्रुति, पोस्ट ऑफिस, मोहन पुरम, दत्त मंदिर, पठारे पार्क आनंद पार्क, गावदेवी ग्राउंड क्षेत्र, वडवली क्षेत्र, शेट्टी क्लास विभाग, लोकनगरी, नवरे नगर, राहुल एस्टेट, तेलंगे हाइट, कैलाश नगर, बी केबिन रोड, कृष्णा नगर, बदलापुर रोड जैसी आवासीय सोसायटियों और सड़कों पर कई ऊंचे पेड़ हैं और ये पेड़ सचमुच उच्च दाब लाइन से चिपके हुए हैं। इन ऊंचे पेड़ों पर पक्षियों के बैठने, कभी पेड़ की टहनी टूटने, तो कभी पेड़ के तारों पर गिरने के कारण अक्सर बिजली आपूर्ति बाधित होती है।

राज्य में मानसून का मौसम शुरू हो गया है और महावितरण द्वारा मानसून से पहले पेड़ों की छंटाई का काम पिछले कई दिनों से चल रहा है। इन उद्देश्यों के लिए अक्सर लोड शेडिंग के नाम पर बिजली आपूर्ति बाधित कर दी जाती थी। हालांकि, बरसात का मौसम शुरू हो चुका है और एक महीना हो गया है, लेकिन शहर में बिजली कटौती जारी है, जिसका सीधा असर नागरिकों पर पड़ रहा है।

अक्सर, अत्यधिक विद्युत भार के कारण घर में विद्युत उपकरण जल जाते हैं। इस बीच, अस्पतालों और घरों में बीमार मरीज, वरिष्ठ नागरिक और स्कूली छात्र भी असमय बिजली कटौती से परेशान हैं। चोर अपनी योजना को अंजाम देने के लिए क्षेत्र में बिजली की कमी का फायदा उठा रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ता अजीत खरात ने महावितरण प्रशासन पर सवाल उठाए हैं, क्योंकि इस संबंध में कई बार शिकायत करने के बाद भी कंपनी अपनी जिम्मेदारी से बच रही है।

वहीं नगर निगम के उद्यान विभाग के प्रमुख केदारे ने शहर में घूमकर स्थिति का जायजा लिया और कहा कि हर मानसून में पेड़ों की छंटाई और उनका संरक्षण करना जरूरी है, लेकिन संबंधित अधिकारी कोई जमीनी काम नहीं कर रहे हैं, जिससे पेड़ गिर रहे हैं, शाखाएं टूट रही हैं और पेड़ों के गिरने से दुर्घटनाएं हो रही हैं। परिणामस्वरूप, घर से काम करने वालों को महावितरण के गैरजिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

बढ़ते ही जा रहे सड़कों के गड्ढे

■ अंबरनाथ-काटई रोड पर दस फीट तक चौड़े गड्ढे

अंबरनाथ. अंबरनाथ-कटाई मार्ग पर कुछ स्थानों पर सड़क का काम अधूरा है और लगातार बारिश और मरम्मत के अभाव में इस क्षेत्र में गड्ढे बढ़ते जा रहे हैं। वसार गांव के पास ग्रीनलीफ होटल के सामने कटाई की ओर जाने वाली सड़क पर 12 से 15 फुट लंबा और चौड़ा गड्ढा बन गया है। कटाई से आने वाले मार्ग पर भी स्थिति अलग नहीं है। इसलिए यहां से यात्रा करते समय यात्रियों और वाहन चालकों को गड्ढों के कारण परेशानी उठानी पड़ रही है।

ठाणे जिले में गड्ढों और ट्रैफिक जाम का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इसके विपरीत गड्ढों और गड्ढों की संख्या बढ़ती जा रही है। महत्वपूर्ण अंबरनाथ कटाई रोड का कंक्रीटीकरण कार्य चल रहा है, जो बदलापुर, अंबरनाथ और आसपास के क्षेत्रों से डोंबिवली, ठाणे, नवी मुंबई और मुंबई तक यात्रा के लिए आवश्यक है। यह कंक्रीटिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है। हालांकि, इस पूरे मार्ग पर तीन-चार स्थानों पर सड़क का काम रुका हुआ है। इसमें अंबरनाथ शहर में ग्रीन सिटी के पास, वालधुनी में, वसार गांव के पास और खोनी गांव के पास सड़कों के कंक्रीटिंग में देरी हुई है। इसके कारण पूरे मार्ग पर तेज गति से चलने वाले वाहन यहीं रुक जाते हैं। यहां न केवल कंक्रीटिंग का काम अधूरा है, बल्कि समुचित सीवेज व्यवस्था न होने के कारण गड्ढे भी हैं। ये गड्ढे इतने बड़े हैं कि इनसे होकर वाहन चलाना एक वास्तविक चुनौती है। जिस क्षेत्र में वर्तमान में गड्ढे हैं, वह वर्षों से यातायात के लिए समस्या बना हुआ है। इस क्षेत्र में पानी की मुख्य लाइनों को बदलने का काम किया गया। इसलिए कई दिनों तक यहां यातायात एक ही लेन पर चलता रहा। तब से लेकर पिछले कुछ वर्षों में यह क्षेत्र सबसे अधिक गड्ढों और ट्रैफिक जाम वाला क्षेत्र बन गया है।

बच्चों को शैक्षिक सामग्री का वितरण

उल्हासनगर. अपने पिता की पुण्यतिथि के अवसर पर, सामाजिक कार्यकर्ता भूषण हरिभाऊ पाटिल ने मणिवली के जिला परिषद स्कूल के छात्रों को स्कूल बैग, छाते, वाटर बैग, नोटबुक, कंपास, पेन, पेंसिल आदि जैसी शैक्षणिक सामग्री वितरित की। पाटिल द्वारा हर वर्ष गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षण सामग्री एवं वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

सामाजिक कार्यकर्ता भूषण पाटिल जिले के सैकड़ों गरीब और जरूरतमंद बच्चों के लिए सहारा बन गए हैं। हर साल बच्चों को शैक्षिक सामग्री और वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। जिला परिषद महिला एवं बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष रोहिणीताई रोहिदास शेलार, वाडा पंचायत समिति के उपाध्यक्ष जगदीश पाटिल, पूर्व अध्यक्ष रघुनाथ माली, सरपंच लहू ढिंडे, उपसरपंच सचिन पाटिल, नंदू वेखंडे, कुमार सुतार, रविकांत गायकवाड़, प्राचार्य गोरखनाथ सोलंके, शिक्षक श्रीपत राठोड, स्कूल प्रबंधन समिति अध्यक्ष निशा ठाकरे आदि के हाथों मनवली स्कूल के बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में नागरिक और छात्र उपस्थित थे। भूषण पाटिल ने कहा कि मदद का स्रोत वही रहेगा।

मुंबई-नासिक हाईवे की दयनीय खस्ता हालत

■ शरद पवार गुट ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया
■ केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी
■ अगली सुनवाई 1 अगस्त को

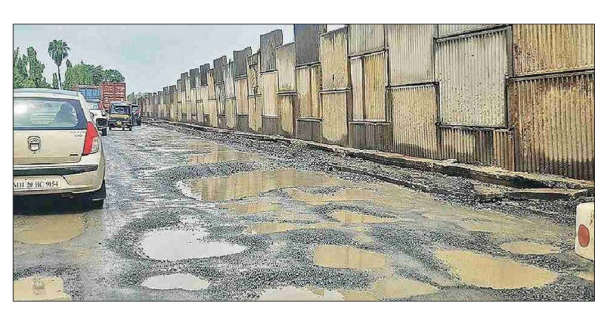

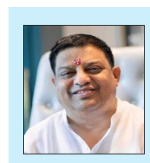

प्रशासन से बार-बार शिकायत करने के बावजूद उनकी अनदेखी की गई। राजमार्ग की दुर्दशा तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के ध्यान में लाई गई थी। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि जब तक अच्छी सड़क उपलब्ध नहीं हो जाती, तब तक टोल वसूली बंद कर दी जाए। उस समय उपमुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए थे; फिर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। इसके अलावा टोल संग्रह कंपनी टोल संग्रह के आंकड़े छुपा रही है। इसलिए यह याचिका दायर करनी होगी।

–**सुरेश उर्फ बाल्या मामा म्हात्रे**, सांसद

शाहपुरः सांसद सुरेश उर्फ बाल्यामामा म्हात्रे ने बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाकर आरोप लगाया है कि सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों के भ्रष्टाचार के कारण मुंबई-नासिक राष्ट्रीय राजमार्ग जर्जर हालत में है। हाल ही में दायर जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई के बाद मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस जारी किए हैं और अगली सुनवाई 1 अगस्त के लिए तय की है।

म्हात्रे ने कहा कि सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों के भ्रष्टाचार के कारण मुंबई-नासिक राजमार्ग वर्षों से खस्ता हालत में है। इस मार्ग पर गड्ढों के कारण शाहपुर, कसारा और भिवंडी के बीच बसें अक्सर फंस जाती हैं। परिणामस्वरूप, छात्रों, कर्मचारियों, शिक्षकों और वाहन मालिकों को काफी परेशानी हो रही है। गड्ढों के कारण दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। माजीवाड़ा से कल्याण बाईपास रोड और आगे मनकोली तक के मार्ग पर वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

इसके अलावा, खराब सड़कों के कारण ट्रैफिक जाम एक नियमित घटना बन गई है। यहां तक कि पडघा और वासिंद के बीच नियमित यात्रा करने वालों को भी काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। म्हात्रे ने बताया कि इस याचिका में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, राज्य सरकार, भिवंडी उपविभागीय अधिकारी, ठाणे पुलिस आयुक्त आदि को प्रतिवादी बनाया गया है।

'अतिक्रमण रोकने के लिए उल्हास नदी की बाढ़ नियंत्रण रेखा चिह्नित करें'

■ शहरी विकास विभाग के सचिव के साथ बैठक
■ भराई और निर्माण से बचने की मांग

कल्याण. उल्हास नदी की बाढ़ नियंत्रण रेखा जनता को स्पष्ट रूप से समझ में आए, इसके लिए बाढ़ नियंत्रण रेखा को चिह्नित कर उसकी सीमाएं निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि नदी तल पर कोई अतिक्रमण न हो। 'मी कल्याणकर' संगठन के प्रमुख नितिन निकम ने भी एक सरकारी बैठक के दौरान इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि नदी के तल में कोई अतिक्रमण नहीं किया जाएगा।

उल्हास नदी में प्रदूषण की रोकथाम के संबंध में राज्य सरकार के नगरीय विकास विभाग के सचिव असीम गुप्ता के साथ बैठक हुई। इस बैठक में कल्याण सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ऑनलाइन मौजूद थे. मार्च में वादा किया गया था कि उल्हास नदी के प्रदूषण को रोकने के लिए कार्य योजना तैयार करने हेतु एक टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। उसके बाद बैठक नहीं हुई।

निकम समेत पूर्व नगरसेवक उमेश बोरगांवकर, कैलाश शिंदे, सामाजिक कार्यकर्ता सरिता खानचंदानी, सूचना अधिकारी कार्यकर्ता श्रीनिवास घाणेकर, रानी कपोते, संगीता चेंदवंकर, शशिकांत दयामा और विनोद तिवारी ने वादा पूरा नहीं करने पर कड़ी नाराजगी जताई थी। उन्होंने इस बात पर भी नाराजगी व्यक्त की कि जो लोग नदी प्रदूषण को रोकने का प्रयास कर रहे हैं, उन्हें बुधवार की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया।

आपराधिक मामला दर्ज

उल्हास नदी तल में एक घाट का निर्माण किया जा रहा है। वहीं, बदलापुर स्थित सत्संग विहार से गाद भरकर नदी का तल अवरुद्ध करने पर संबंधित व्यक्ति पर 10 करोड़ 16 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। एक आपराधिक मामला भी दर्ज किया गया।

इस मामले में आगे कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह मुद्दा निकम ने उठाया था। केवल कार्ययोजना पर चर्चा न करें। बोरगांवकर ने मुद्दा उठाया कि इस कार्ययोजना को तैयार कर नदी प्रदूषण को वास्तव में रोकने का काम शुरू किया जाना चाहिए।

नेरुल स्टेशन के पास डिरेल हुई लोकल ट्रेन

नवी मुंबई. नेरूल स्टेशन के पास ट्रैक रिलेइंग ट्रेन के पटरी से उतरने के करीब 13 घंटे बाद सोमवार 7 जुलाई को सुबह सेंट्रल रेलवे की हार्बर लाइन पर लोकल ट्रेन सेवाएं पूरी तरह से बहाल हो गईं। जानकारी के अनुसार टीआरटी रविवार को शाम 4.20 बजे नेरुल स्टेशन के पास पटरी से उतर गई थी , जिसके कारण वाशी और पनवेल के बीच अप (दक्षिण मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस की ओर) और डाउन (सीएसएमटी से दूर) दोनों लाइनों पर सेवाएं निलंबित कर दी गई थीं। ट्रेन सेवा निलंबित हो जाने की वजह से शाम के व्यस्त घंटों में हजारों यात्री फंसे रहे। अधिकारियों ने बताया कि रात भर चले काम के बाद, सीएसएमटी से पनवेल की ओर जाने वाली पहली लोकल ट्रेन सोमवार को सुबह 5.06 बजे बहाल किए गए सेक्शन से गुजरी, जबकि पनवेल से सीएसएमटी की ओर जाने वाली पहली लोकल ट्रेन सुबह 6.02 बजे रवाना हुई, जिससे हार्बर लाइन सेवाएं पूरी तरह से बहाल हो गईं।

डोंबिवली के शार्दुल विचारे का सीए की परीक्षा में देश में तीसरा क्रमांक

कल्याण. ठाकुर्ली 90 फीट रोड क्षेत्र में एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में रहने वाले शार्दुल विचारे ने चार्टर्ड अकाउंटेंट (सी. ए. फाउंडेशन) परीक्षा के पहले चरण में 400 में से 358 अंक हासिल कर देश में तीसरा स्थान हासिल करने का गौरव हासिल किया है। शार्दुल डोंबिवली एमआईडीसी स्थित ओमकार इंटरनेशनल स्कूल में आईसीआईसीआई परीक्षा बोर्ड का छात्र है।

अपनी कक्षा 12वीं की परीक्षा देने के बाद, शार्दुल ने सी. ए. फाउंडेशन की परीक्षा दी। यह परीक्षा भारत में भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान द्वारा आयोजित की गई थी। शार्दुल ने 10वीं में 95 प्रतिशत और 12वीं में 99.06 प्रतिशत अंक प्राप्त कर देश भर में तीसरा स्थान प्राप्त किया था। माटुंगा के पोद्दार जूनियर कॉलेज में पढ़ते समय उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट की परीक्षा देने का निर्णय लिया था। इस तरह अध्ययन शुरू हुआ। 12वीं की परीक्षा और सी. ए. की पढ़ाई के साथ-साथ वह फाउंडेशन की पढ़ाई भी कर रहा था।

जुड़वाँ बहनों की सफलता

कल्याण के लोकग्राम में अपने परिवार के साथ रहने वाली जुड़वां बहनें इशादा भालचंद्र दामले और ईशा भालचंद्र दामले ने चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा की अंतिम प्रारंभिक परीक्षा में सफलता हासिल की है। दोनों ने चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने का लक्ष्य रखा था। उन्होंने अपनी शिक्षा का मार्ग उसी दिशा में आगे बढ़ाया। दोनों ने अपनी 10वीं तक की शिक्षा लोकग्राम, कल्याण से पूरी की। जूनियर और उच्च कॉलेज की शिक्षा पोद्दार कॉलेज, माटुंगा से पूरी की। अपनी डिग्री के लिए अध्ययन करते समय, वे दोनों सी.ए. की पढ़ाई करते थे। दोनों एक साथ पढाई कर रहे थे। कुछ उतार-चढ़ाव आये। लेकिन हार न मानते हुए दोनों ने हठपूर्वक लड़ाई जारी रखी। सीए. परीक्षा के लिए अध्ययन किया। ईशा दूसरे समूह में सफल रही, जबकि इशादा एक ही समय में दोनों समूहों में सफल रही।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

लाचार हालत में कानून व्यवस्था

बिहार में बीते दो-तीन दिनों में हत्या की कई घटनाओं ने एक बार फिर मौजूदा सरकार के उन दावों को आईना दिखाया है, जिसमें वह अपनी सबसे बड़ी ताकत सुशासन और अपराध पर काबू करने को बताती रही है। विडंबना यह है कि जघन्य अपराधों के बढ़ते ग्राफ के बावजूद सरकार सब कुछ अच्छा होने के प्रचार पर जोर देती रही और दूसरी ओर जमीन पर हालत और बिगड़ती चली गई है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि शुक्रवार देर रात पटना के केंद्र में स्थित बेहद सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में शहर के एक कारोबारी की गोली मार कर हत्या कर दी गई और हत्यारा आराम से फरार भी हो गया।

हत्या की घटना जिस जगह हुई, वहां से जिलाधिकारी का आवास और पुलिस थाना काफी नजदीक है। गौरतलब है कि पटना में जिस कारोबारी की हत्या की गई, करीब छह वर्ष पहले उनके बेटे को भी अपराधियों ने मार डाला था। एक अन्य घटना में शुक्रवार को ही राज्य के सीवान जिले के मलमलिया चौक पर अपराधियों ने सरेआम पांच लोगों को तलवार से काट डाला, जिसमें तीन लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और दो बुरी तरह घायल हो गए।

ऐसा लगता है कि राज्य की कानून-व्यवस्था पूरी तरह लाचार हालत में है, अपराधी बेखौफ हैं और सरकार के हाथ में शायद कुछ भी नहीं रह गया है। वरना क्या वजह है कि जघन्य अपराध एक तरह से राज्य में आम होते जा रहे हैं और पुलिस या कानून का डर कहीं नहीं दिखता है। राज्य में हत्या की घटनाओं और इनकी प्रकृति को देखते हुए स्वाभाविक ही ये सवाल उठेंगे कि ऐसे में आम लोग अपनी सुरक्षा को लेकर क्या सोचें।

बिहार में नीतीश कुमार की सरकार जितने वर्षों से सत्ता पर काबिज है, उतने में अब वह यह भी सफाई देने की हालत में नहीं है कि उसके कामकाज पर अतीत की छाया है। यह एक तरह से अपनी नाकामी को स्वीकार करने जैसा होगा। इसके बावजूद राज्य में अपराधों की तस्वीर पर जब भी सवाल उठते हैं, तो सरकार में शामिल दल अतीत के कथित 'जंगल राज' की याद दिलाने लगते हैं। यह पूछा जाना चाहिए कि मौजूदा दौर में राज्य में जघन्य आपराधिक घटनाओं की जो हालत है, अपराधी बेलगाम दिखते हैं, तो इसे किस तरह के राज के रूप में देखा जाएगा!

नए आपराधिक कानूनों की स्वीकार्यता

एक जुलाई, 2024 को भारत ने अपने औपनिवेशिक युग के आपराधिक कानूनों को तीन आधुनिक विधियों-भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) से बदल दिया। इन सुधारों का उद्देश्य नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और प्रौद्योगिकी-सम्मिलित आपराधिक न्याय प्रणाली का निर्माण करना था। लागू होने के पहले दो महीनों में ही इन नए प्रविधानों के तहत 5.56 लाख से अधिक एफआइआर दर्ज हुईं, जो इनकी सक्रिय स्वीकार्यता को दर्शाती हैं। इसके साथ ही 5.6 लाख से अधिक पुलिस, अभियोजन और न्यायिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया, जो प्रशासन की तैयारी और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारतीय न्याय संहिता ने संगठित अपराध, आतंकवाद और भीड़ हत्या जैसे अपराधों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया है, जिससे यह वर्तमान समय की आपराधिक प्रकृति के अनुरूप बन गई है। इसमें कुछ अपराधों के लिए सामुदायिक सेवा को दंड के रूप में शामिल किया गया है, जो दंडात्मक न्याय से सुधारात्मक और पुनर्वासात्मक न्याय की ओर एक संवेदनशील कदम है। हालांकि कई प्रविधान अब भी आइपीसी से मिलते-जुलते हैं, लेकिन यह निरंतरता और परिवर्तन के बीच संतुलन बनाने का एक व्यावहारिक तरीका माना जा रहा है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता ने प्रक्रिया संबंधी कानून में क्रांतिकारी बदलाव लाया है। अब नागरिक जीरो एफआइआर और ई-

एफआइआर दर्ज कर सकते हैं और केस फाइलें और चार्जशीट डिजिटल रूप में तैयार की जा रही हैं। जांच अधिकारियों को स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि वे घटनास्थल से तुरंत साक्ष्य एकत्र कर सकें और अपलोड कर सकें। दिल्ली, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में पुलिस स्टेशनों में वीडियो कांफ्रेंसिंग कक्ष स्थापित किए गए हैं जिससे रिमांड और गवाही की कार्यवाहियां दूरस्थ रूप से की जा सकें। उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी राज्यों में से है। राज्य के सभी 75 जिलों में मोबाइल फारेंसिक वैन तैनात की गई हैं । इसके अलावा 60,000 नए भर्ती पुलिसकर्मियों के लिए नया पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, ताकि वे नवीन विधिक व्यवस्था में प्रशिक्षित हो सकें।

बीएनएसएस के अंतर्गत मोबाइल फारेंसिक साइंस यूनिट्स का विस्तार एक प्रमुख सुधार है। इसके साथ ही फारेंसिक विज्ञान प्रयोगशालाओं को उन्नत किया जा रहा है, ताकि वे साइबर अपराध और डीएनए परीक्षण जैसे जटिल मामलों की जांच कर सकें। हालांकि पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरडी) के 2020 के आंकड़ों के अनुसार देश में केवल 32 पूर्ण रूप से कार्यशील एफएसएल थीं, लेकिन हालिया निवेश से स्थिति में सुधार की दिशा स्पष्ट है।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम डिजिटल युग की मांगों के अनुरूप साक्ष्य कानून को अद्यतन करता है। अब ईमेल, मेटा डाटा, सीसीटीवी फुटेज, जीपीएस डाटा और यहां तक कि ब्लाकचेन रिकार्ड को भी कानूनी साक्ष्य के रूप में मान्यता दी गई है। प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए हैश वैल्यू और डिजिटल सिग्नेचर अनिवार्य कर दिए गए हैं। अदालतें अब ई-गवाही और वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विशेषज्ञ साक्ष्य स्वीकार कर सकती हैं। विशेष रूप से 22 राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों ने राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो द्वारा विकसित ई-साक्ष्य एप को अपनाया है, जिससे डिजिटल साक्ष्य को संग्रहित और प्रस्तुत करना सरल हो गया है। ये परिवर्तन ई-कोर्ट्स परियोजना की बुनियाद पर निर्मित हुए हैं, जिसके तहत 18,000 से अधिक अदालतों का डिजिटलीकरण किया गया है और आनलाइन फाइलिंग एवं वीडियो सुनवाई की व्यवस्था पहले से अस्तित्व में है।

हालांकि सुधारों की दिशा में ठोस प्रगति हुई है, लेकिन कुछ चुनौतियां भी बनी हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल बुनियादी ढांचे की कमी और इंटरनेट कनेक्टिविटी की असमानता बाधा बन रही हैं। फारेंसिक प्रयोगशालाएं सीमित हैं और अदालतों तथा पुलिस स्टेशनों में कर्मचारियों की कमी भी गंभीर विषय है। एनसीआरबी की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, 2021 से 2022 के बीच साइबर अपराधों में 24.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो उच्च तकनीकी अपराधों से निपटने के लिए संसाधनों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता को दर्शाता है। इन सुधारों को प्रभावी बनाने के लिए कुछ नीति-निर्माण उपाय आवश्यक हैं।

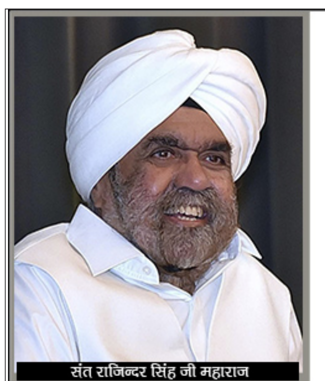

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

संघर्ष के कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता ने दुनिया को यह साफ संदेश दिया है कि सीमा पार से आतंकवाद को अब कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान भी अब दबी जुबान में यह स्वीकार कर रहा है कि चार दिन के सैन्य संघर्ष के दौरान भारत के लक्षित हमलों से उसे नुकसान झेलना पड़ा है। वह भी ऐसी स्थिति में जब चीन और तुर्किये न केवल कूटनीतिक, बल्कि तकनीकी और हथियारों की आपूर्ति में भी पाकिस्तान का सहयोग कर रहे थे। इस संघर्ष में चीन और तुर्किये की भूमिका पहले भी उजागर हो चुकी है, लेकिन अब भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने खुलासा किया है कि चीन भारतीय सैन्य तैनाती की पाकिस्तान को सीधी जानकारी दे रहा था। यही नहीं, चीन ने पाकिस्तान के चेहरे का इस्तेमाल कर इस संघर्ष को अपने हथियारों के परीक्षण की प्रयोगशाला की तरह लिया। हालांकि, भारतीय सैन्य बलों की जवाबी कार्रवाई ने चीन के इस परीक्षण के नतीजों की सच्चाई भी सबके सामने ला दी है। चीनी हथियारों के हर वार को नाकाम कर भारत ने यह साबित कर दिया है कि उसके सुरक्षा कवच को भेदना इतना आसान नहीं है। मगर, पाकिस्तान को चीन और तुर्किये का साथ मिलने से यह

बात भी साफ हो गई है कि भविष्य में भारत के लिए चुनौतियां और बढ़ेंगी, जिनसे निपटने के लिए कई मोर्चों पर तैयारी की जरूरत है।

भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि पाकिस्तान और चीन की दोस्ती भारत की वजह से है। दरअसल, भारत दुनिया में तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है और चीन भविष्य की संभावनाओं को लेकर इससे चिंतित है। इसलिए वह कूटनीतिक तरीके से पाकिस्तान को अपने पाले में बनाए रखना चाहता है। संकट के दौरान पाकिस्तान की मदद करने से भी वह पीछे नहीं हटता है। इसके पीछे चीन के अपने निजी स्वार्थ निहित हैं।

उधर, तुर्किये भी पाकिस्तान का मददगार बना हुआ है, लेकिन भारत को सीधे तौर पर तुर्किये से कोई खतरा नहीं है। चीन से चुनौती इसलिए है, क्योंकि पाकिस्तान की तरह उसके साथ भी भारत की सीमा लगती है। भारत और चीन को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) विभाजित करती है और चीन यहां पर घुसपैठ की नाकाम कोशिश करता रहता है।

भारतीय सेना के उप प्रमुख के मुताबिक, सात से दस मई के बीच हुए सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान सिर्फ सामने नजर आ रहा था, पर्दे के पीछे चीन और तुर्किये उसे हरसंभव सहायता दे रहे थे। चीन अपने उपग्रहों का उपयोग भारतीय सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए कर रहा था। बहरहाल, रक्षा मामलों में चीन और पाकिस्तान को अलग-अलग करके देखना सही नहीं होगा। 'आपरेशन सिंदूर' के बाद यह तस्वीर साफ हो गई है कि चीन और पाकिस्तान ने अपनी रक्षा रणनीतियों में गहरा तालमेल बना लिया है।

जब कभी पाकिस्तान से भारत के सैन्य टकराव की स्थिति आएगी, चीन भले ही परोक्ष रूप से, लेकिन उसमें खास भूमिका निभाएगा। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए भारत को खुद को तैयार करना होगा। रक्षा उद्योग को अनुसंधान और विकास पर अधिक निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करना होगा, ताकि रक्षा मामलों में भारत की आत्मनिर्भता को मजबूत किया जा सके। कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों से संबंधों को सुदृढ़ करने के प्रयासों में भी तेजी लानी होगी, ताकि जरूरत के समय उनका साथ मिल सके।

भारत की पहली 'डॉग पेंटर'! बना चुकी 37 से ज्यादा पेंटिंग

जरा हट के

हैदराबाद के मणिकोंडा इलाके में एक अनोखी कलाकार रहती है– नाम है 'दाली'. दो साल की ये लैब्राडोर डॉगी आज देश की पहली वॉटरकलर पेंटिंग करने वाली कुत्तिया मानी जाती है. लेकिन दाली की शुरुआत बहुत दर्दभरी थी. सिर्फ 45 दिन की उम्र में उसे एक जगह बांधकर छोड़ दिया गया था. उसी हालत में एक कपल- स्नेहांशु देबनाथ और होई चौधरी ने उसे रेस्क्यू किया और गोद ले लिया. उन्होंने हाल ही में अपने पुराने डॉगी 'पाब्लो' को खोया था, और दाली अब उनके लिए एक साथी से भी बढ़कर बन गई.

होई खुद एक आर्टिस्ट हैं. उन्होंने बताया कि एक दिन दाली स्टूडियो में आई और आसपास की चीज़ों को ध्यान से देखने लगी. होई को लगा कि दाली भी इस क्रिएटिव प्रोसेस का हिस्सा बनना चाहती है. इसके बाद उन्होंने दाली के लिए एक खास ब्रश बनाया जो उसके मुंह में

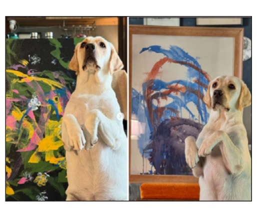

आराम से आ सके. और फिर सात महीने की उम्र में दाली ने पहली बार वॉटरकलर में ब्रश डुबोकर अपनी पहली पेंटिंग बना दी.

होई बताती हैं कि दाली को कभी किसी तरह की ट्रेनिंग नहीं दी गई. सब कुछ उसके खुद के जिज्ञासा और खेलने के तरीके से होता है. अब तक दाली 37 से ज्यादा एब्स्ट्रैक्ट आर्टवर्क बना चुकी है. ये पेंटिंग्स वो बिना किसी दबाव के बस मस्ती-मस्ती में बनाती है.

2024 में दाली की 12 पेंटिंग्स को एक कैलेंडर में छापा गया. इस कैलेंडर की बिक्री से 35,000 रुपये इकट्ठा हुए, जो 'मार्ग' नाम की हैदराबाद की एक एनिमल रेस्क्यू संस्था को दिए गए. हैरानी की बात ये है कि इस कैलेंडर की डिमांड अमेरिका, कनाडा, चीन और थाईलैंड जैसे देशों से भी आई.

हालांकि अभी तक जानवरों के लिए कोई पेंटिंग कॉन्टेस्ट नहीं होते, लेकिन दाली के परिवार ने उसकी पहली आर्ट एग्जिबिशन की तैयारी शुरू कर दी है. इसमें उसकी पेंटिंग्स को बिलकुल किसी प्रोफेशनल आर्टिस्ट की तरह डिस्प्ले किया जाएगा. होई कहती हैं, "उसे ये पता चल जाता है जब लोग उसे देख रहे होते हैं, लेकिन उसे कोई दबाव नहीं होता. वो पेंटिंग सिर्फ इसलिए करती है क्योंकि उसे इसमें मजा आता है."

प्याज की चटनी

सामग्री :

- प्याज- 2 मध्यम आकार के
- लहसुन की कलियां- 4-5
- हरी मिर्च- 1-2
- लाल मिर्च पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
- नमक- स्वाद अनुसार
- तेल- 2 बड़े चम्मच
- राई (सरसों के दाने)- 1/2 छोटा चम्मच
- करी पत्ता- 5-6
- इमली का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच
- गुड़- एक छोटा टुकड़ा

विधि :

सबसे पहले प्याज को अच्छी तरह धोकर छील लें। आप इसे बारीक काट सकते हैं या मोटे-मोटे टुकड़ों में भी काट सकते हैं, क्योंकि हमें इसे बाद में पीसना है। साथ ही, लहसुन और हरी मिर्च को भी तैयार कर लें। अब एक कड़ाही या पैन में तेल गरम करें। जब तेल गरम हो जाए, तो उसमें राई डालें। जब राई

तड़कने लगे, तो करी पत्ता डालें। अब इसमें कटे हुए प्याज, लहसुन और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह भूनें। प्याज को सुनहरा होने तक भूनना है, ताकि उसका कच्चापन निकल जाए। जब प्याज अच्छी तरह भुन जाए, तो इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालकर एक मिनट तक और भूनें। इसे चलाते रहें, ताकि मसाले जले न। अब इसमें इमली का पेस्ट और गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। गुड़ पिघलने तक और चटनी के साथ अच्छी तरह घुलने तक इसे भूनें। मिक्सचर को आंच से उतार लें और इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए, तो इसे एक ब्लेंडर या मिक्सर ग्राइंडर में डालें।

बिना पानी डाले, इसे दरदरा पीस लें। आप अपनी पसंद के अनुसार इसे थोड़ा पतला या गाढ़ा रख सकते हैं। अगर बहुत गाढ़ा लगे तो 1-2 चम्मच पानी डाल सकते हैं, लेकिन ज्यादा नहीं।

आपकी स्वादिष्ट प्याज की चटनी तैयार है!

क्या होती है जैविक घड़ी?

स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या है बॉडी क्लॉक का महत्व

रात होते ही हमें अपने आप नींद आने लगती है, और सुबह जैसे ही उजाला होता है हम जाग जाते हैं। उठने के बाद हमें अपनी दैनिक क्रियाएं करनी होती हैं और फिर हमें भोजन करने की इच्छा होती है। आपने ध्यान दिया होगा कि हम ये सभी काम एक तय समय पर ही करते हैं। हमें कब क्या करना है, हमारा शरीर खुद ही समझ जाता है, और इन सब के पीछे काम करती है हमारे शरीर की जैविक घड़ी। दरअसल, हमारे शरीर के अंदर एक खास सिस्टम होता है, जिसे जैविक घड़ी कहते हैं। इसे सर्केडियन रिदम या बॉडी क्लॉक जैसे नामों से भी जाना जाता है। यह घड़ी हमारे शरीर और दिमाग को 24 घंटे के एक तय टाइम-टेबल पर चलाने में मदद करती है।

जैविक घड़ी कैसे काम करती है?

हमारी जैविक घड़ी शरीर के कामों को दिन-रात के हिसाब से चलाती है। सुबह सूरज की रोशनी हमारे दिमाग को जगाती है, जिससे कॉर्टिसोल जैसे हार्मोन ज्यादा बनते हैं और हम तरोताजा महसूस करते हैं। रात में अंधेरा होने पर मेलाटोनिन हार्मोन बढ़ता है, जिसकी वजह से हमें नींद आने लगती है।

अगर हम देर रात तक जागते हैं, अनियमित सोते हैं, या बहुत ज्यादा स्क्रीन देखते हैं, तो ये आदतें इस चक्र को बिगाड़ सकती हैं। इसका बुरा असर हमारी संपूर्ण सेहत पर पड़ता है, जैसे हमें थकान, चिड़चिड़ापन होने लगता है, साथ ही हमारा इम्यूनिटी सिस्टम भी कमजोर होने लगता है।

स्वास्थ्य के लिए क्यों जरूरी है?

जैविक घड़ी का संतुलन शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यह नींद की गुणवत्ता को बेहतर बनाती है, जो तनाव, चिंता और अवसाद को कम करती है। यह पाचन तंत्र को नियंत्रित करती है, जिससे खाना समय पर खाने से पाचन एंजाइम्स बेहतर काम करते हैं। यह हार्मोन जैसे इंसुलिन और कॉर्टिसोल को संतुलित रखती है, जो डायबिटीज और अन्य हार्मोनल समस्याओं को रोकने में मदद करता है।

असंतुलन के नुकसान

जब जैविक घड़ी बिगड़ती है, तो कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। अनियमित नींद से मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग और कमजोर इम्यूनिटी का जोखिम बढ़ता है। देर रात तक मोबाइल या लैपटॉप का उपयोग मेलाटोनिन के स्राव को कम करता है, जिससे नींद की कमी होती है। अनियमित खानपान मेटाबॉलिक सिंड्रोम का कारण बन सकता है। लंबे समय तक जैविक घड़ी का असंतुलन मानसिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जैसे चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी।

जैविक घड़ी को स्वस्थ रखने के उपाय

जैविक घड़ी को संतुलित रखने के लिए नियमित दिनचर्या अपनाएं। रोजाना एक ही समय पर सोएं और जागें। सुबह सूरज की रोशनी लें और रात में नीली रोशनी (मोबाइल, टीवी) से बचें। निश्चित समय पर भोजन करें और रात को हल्का खाना खाएं। नियमित व्यायाम, खासकर सुबह, और योग या ध्यान तनाव को कम करते हैं। अगर नींद या अन्य समस्याएं बनी रहें, तो डॉक्टर से सलाह लें।

आज का राशिफल

मेष : मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

वृषभ : स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक-ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है। दूसरों के काम में दखलंदाजी न करें।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें।

सिंह : प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य न करें।

कन्या : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर सहयोग व प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कुंभ : पूजा-पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। दूसरे के काम में दखल न दें।

मीन : क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हरी शिमला मिर्च के फायदे जानकर दंग रह जाएंगे आप

हरी शिमला मिर्च यानी ग्रीन कैप्सिकम को हम अक्सर सब्जियों में, चावल या नूडल्स के साथ, या सलाद में शामिल करते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटी सी हरी सब्जी सिर्फ आपके खाने का रंग-रूप ही नहीं बढ़ाती, बल्कि आपके शरीर के लिए भी कई मायनों में बेहद लाभकारी है? इसमें ऐसे पोषक तत्व मौजूद हैं जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं और कई बीमारियों से बचाते हैं. हरी शिमला मिर्च में विटामिन C की मात्रा काफी अधिक होती है, जो हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्युनिटी को बढ़ाने में मदद करती है.इसके सेवन से शरीर संक्रमण से बेहतर तरीके से लड़ पाता है. साथ ही, यह त्वचा को जवान बनाए रखने और कोशिकाओं की मरम्मत में भी उपयोगी होती है.जो लोग बार-बार बीमार पड़ते हैं, उनके लिए यह एक नेचुरल इम्युनिटी बूस्टर के रूप में काम कर सकती है.

इस सब्जी में फाइबर भरपूर होता है, जो पाचन तंत्र के लिए अच्छा होता है. इससे पेट साफ रहता है और कब्ज जैसी परेशानियों से राहत मिलती है. फाइबर से भरपूर भोजन न सिर्फ पेट के लिए अच्छा होता है, बल्कि यह लंबे समय तक भूख भी नहीं लगने

देता, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है. जो लोग डायबिटीज जैसी बीमारी से जूझ रहे हैं, उनके लिए भी हरी शिमला मिर्च बेहद फायदेमंद हो सकती है. इसमें मौजूद खास तत्व ब्लड शुगर के स्तर को संतुलित रखने में मदद करते हैं. साथ ही, यह शरीर में शुगर के अवशोषण की प्रक्रिया को धीमा करता है, जिससे इंसुलिन का स्तर बेहतर बना रहता है.

दिल की सेहत के लिहाज से भी यह एक बेहतरीन विकल्प है. इसमें पोटैशियम और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व मौजूद हैं, जो रक्तचाप को नियंत्रित करने और हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में सहायक होते हैं. इसके नियमित सेवन से हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा कम हो सकता है. हरी शिमला मिर्च आंखों के लिए भी लाभकारी मानी जाती है. इसमें ल्यूटिन और जीअक्सैंथिन जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो आंखों को कमजोर होने से बचाते हैं और उम्र के साथ होने वाली समस्याओं जैसे मोतियाबिंद से सुरक्षा प्रदान करते हैं. इसका सेवन करने के तरीके भी बहुत आसान हैं. आप इसे सब्जी में पका सकते हैं, सलाद में कच्चा खा सकते हैं, या सूप और स्टर-फ्राय में इस्तेमाल कर सकते हैं.चाहें तो इसे भरवां सब्जी के रूप में या पराठों में भी इस्तेमाल किया जा सकता है.

मानसून में चेहरा हो रहा ऑयली?

तो लगायें ये पैक

चावल का आटा स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसमें मौजूद विटामिन्स और मिनरल्स स्किन को एक्सफोलिएट करने का काम करते हैं. यह डेड स्किन सेल्स हटाकर त्वचा को स्मूद बनाता है और पोर्स को डीप क्लीन करता है. इसके साथ ही यह स्किन का पीएच बैलेंस बनाए रखने में भी मदद करता है. चावल का आटा नेचुरल तरीके से त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है, जिससे चेहरा ज्यादा फ्रेश और मैट फिनिश में नजर आता है. इसलिए मानसून के मौसम में चावल के आटे से बना फेस पैक एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है.

इस फेस पैक को तैयार करने के लिए एक कटोरी में 2 चम्मच चावल का आटा लें. इसमें एक चम्मच मुल्तानी मिट्टी मिलाएं, जो स्किन की गहराई से सफाई करने के लिए जानी जाती है. अब इसमें आधा चम्मच नींबू का रस डालें, जो कि नेचुरल ब्लीच की तरह काम करता है और चेहरे से दाग-धब्बों को कम करता है. इसके बाद गुलाबजल मिलाकर इसका एक स्मूद पेस्ट बना लें. इस

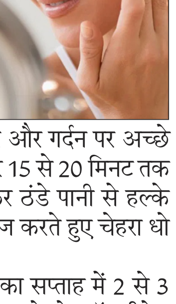

पैक को चेहरे और गर्दन पर अच्छे से लगाएं और 15 से 20 मिनट तक सूखने दें. फिर ठंडे पानी से हल्के हाथों से मसाज करते हुए चेहरा धो लें.

इस पैक का सप्ताह में 2 से 3 बार उपयोग करने से ऑयलीनेस कम होती है, पिंपल्स की समस्या कंट्रोल में रहती है और स्किन हेल्दी व साफ नजर आती है. साथ ही इस पैक में मौजूद सभी नेचुरल इंग्रीडिएंट्स स्किन को पोषण देते हैं और किसी भी तरह का साइड इफेक्ट नहीं छोड़ते. अगर आप चाहें तो इस पैक में थोड़ी सी हल्दी भी मिला सकते हैं, जो एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है. मानसून में त्वचा को ऑयलीनेस और पिंपल्स से बचाने के लिए फेस पैक के साथ-साथ हेल्दी डाइट, भरपूर पानी पीना और स्किन की रेगुलर क्लीनिंग भी जरूरी है. रासायनिक प्रोडक्ट्स की बजाय प्राकृतिक उपाय अपनाकर आप अपनी स्किन को मानसून के मौसम में भी ग्लोइंग और हेल्दी बनाए रख सकते हैं.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

पिता की हवस का शिकार बनी नाबालिग चलती ट्रेन में बनी मां

मुरादाबाद. 22 जून की रात बरेली स्टेशन पर टीटीई को ट्रेन के एक कोच में रखे बैग से बच्चे के रोने की आवाज आई थी। मुरादाबाद पहुंचने पर टीटीई ने बच्चे को तुरंत चाइल्डलाइन के हवाले कर दिया। बच्चे को उसी रात अस्पताल में भर्ती कराया गया और पुलिस ने अज्ञात माता-पिता की तलाश शुरू की। रेलवे पुलिस की जांच में सामने आया कि नवजात को जन्म देने वाली मां स्वयं नाबालिग है, और सबसे गंभीर बात यह कि उसकी कोख का दोषी उसका अपना पिता है। बिहार के छपरा जिले का निवासी, पेशे से दिहाड़ी मजदूर यह व्यक्ति अपनी बेटी को शारीरिक शोषण का शिकार बनाता रहा। जांच में पुष्टि हुई कि किशोरी गर्भवती हो गई थी। बैग में मिले एक सिमकार्ड से पुलिस को अहम सुराग मिला था। सिम की लोकेशन और कॉन्टेक्ट डिटेल से छपरा के जिस गांव तक पुलिस पहुंची, वहीं से पूरे मामले की पुष्टि हुई। सिमकार्ड नवजात की मां के जीजा के नाम था।

कांवड़ पर थूककर भागा युवक, गुस्साए कांवड़ियों ने सड़क पर काटा हंगामा, पुलिस अलर्ट

मुजफ्फरनगर. यूपी के मुजफ्फरनगर से कांवड़ पर थूकने का मामला सामने आया है। सोमवार की सुबह 10 बजे पुरकाजी में थाने के पास अर्द्धविक्षिप्त एवं मानसिक रूप से बीमार गूंगा उस्मान ने मोदीनगर के कांवड़िये के कांवड़ पर थूक फेंक दिया। इसको लेकर कांवड़ियों ने जमकर हंगामा किया। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष जयवीर सिंह मौके पर पहुंचकर हंगामा कर रहे कांवड़ियों को समझा-बुझाया और खंडित कांवड़ को थाने में लाकर रख दिया। साथ ही कांवड़ ला रहे भाई-बहन को एक सिपाही के साथ टैंपो पर बिठाकर दोबारा हरिद्वार कांवड़ लाने के लिए भेज दिया। जबकि अन्य कांवड़िये गंतव्य के लिए रवाना हो गए।

घर में पड़ा मिला पति का शव, गले में साड़ी का फंदा, मजदूर की मौत के बाद पत्नी हिरासत में

यूपी के आगरा में थाना फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के अंतर्गत गांव दुल्हारा में रविवार को 45 वर्षीय मजदूर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। उसका शव घर में पड़ा मिला। शरीर पर चोट के निशान एवं गले में साड़ी का फंदा लगा हुआ था। बड़े भाई ने मजदूर की पत्नी पर हत्या का आरोप लगाकर तहरीर दी है। पुलिस ने पत्नी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस पत्नी से पूछताछ कर रही है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

BRICS ने पहलगाम हमले की निंदा की

■ मोदी बोले- अटैक इंसानियत पर चोट

रियो डी जनेरियो. ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें BRICS सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई।

इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले QUAD (क्वाड) ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। इसके साथ ही उन्होंने एक नए विश्व व्यवस्था की मांग उठाई।

PM ने कहा, '20वीं सदी में बनाई गईं वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में नाकाम हैं। AI के दौर में तकनीक हर हफ्ते अपडेट होती है, लेकिन एक वैश्विक संस्थान 80 सालों में एक बार भी अपडेट नहीं होता। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते।' वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने BRICS से जुड़ने की इच्छा रखने वाले नए देशों पर एक्स्ट्रा 10% टैरिफ का ऐलान किया है।

ट्रम्प की BRICS से जुड़ने वाले देशों पर 10% एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने BRICS से जुड़ने वाले देशों को धमकी दी। उन्होंने रविवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जो भी देश अमेरिका विरोधी BRICS नीतियों के साथ खुद को जोड़ेंगे, उन पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। इसमें किसी को भी छूट नहीं मिलेगी। दरअसल, BRICS घोषणा पत्र में विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों के खिलाफ बढ़ते टैरिफ पर चिंता जताई गई।

आतंकी तहव्वुर राणा 26/11 हमले के वक्त मुंबई में था

■ NIA की पूछताछ में कबूला- वह PAK आर्मी एजेंट

■ हेडली के साथ ट्रेनिंग सेशन किए

मुंबई. 26/11 आतंकी हमले के वक्त आतंकी तहव्वुर राणा मुंबई में था। यह बात उसने NIA की पूछताछ कबूल की। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, राणा ने माना है कि वह पाकिस्तानी सेना का एजेंट है।

उसने बताया कि उसने डेविड कोलमैन हेडली के साथ पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा के कई ट्रेनिंग सेशन किए थे। राणा ने यह भी कहा कि लश्कर असल में एक जासूसी नेटवर्क की तरह काम करता है।

पूछताछ में शामिल मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच अब राणा को गिरफ्तार करके रिमांड पर लेने की तैयारी में है। अभी राणा NIA की न्यायिक हिरासत में है, जिसे दिल्ली की अदालत ने 9 जुलाई तक बढ़ा दिया है।

तहव्वुर को अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में अमेरिकी एजेंसी FBI ने गिरफ्तार किया था। राणा को 10 अप्रैल को स्पेशल विमान से अमेरिका से भारत लाया गया था।

मुंबई में खोला था इमिग्रेशन सेंटर

राणा ने पूछताछ में बताया कि मुंबई में उसने अपनी कंपनी का इमिग्रेशन सेंटर खुद के प्लान से खोला, ताकि हमले की तैयारी के लिए, जगह और सुविधाएं मिल सकें। वहां किए गए लेन-देन को बिजनेस खर्चों में दिखाया गया। उसने यह भी स्वीकार किया कि छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे स्थानों का खुद जाकर रेकी की थी।

'दो गुजरातियों को बिहारियों से नफरत'

■ तेजस्वी ने कहा- 9 जुलाई को बिहार बंद में EC-सरकार के होश ठिकाने लाएंगे

पटना. बिहार चुनाव से पहले हो रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर सियासत गर्म है। विपक्ष ने 9 जुलाई को बिहार बंद बुलाया है। इसमें कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी शामिल होंगे।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने वोटर लिस्ट रिवीजन की प्रक्रिया को 'वोट बंदी' करार दिया है। इसे लेकर उन्होंने आज यानी सोमवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

तेजस्वी ने कहा, '6 जुलाई को इलेक्शन कमीशन से मिलने गए थे, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने कहा कि पटना का इलेक्शन कमीशन कोई काम का नहीं है, पोस्ट ऑफिस जैसा है, निर्णय लेने लायक नहीं है।'

इधर पूरे मामले पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने यादव ने PM मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को आड़े हाथों लियाहै। लालू ने सोशल मीडिया X पर लिखा, 'दो गुजराती मिलकर 8 करोड़ बिहारियों के वोट का अधिकार छीनने का प्रयास कर रहे हैं।' 'इन दो गुजरातियों को बिहार, संविधान और लोकतंत्र से सख्त नफरत है। जागो और आवाज उठाओ.. लोकतंत्र और संविधान बचाओ।'

महाराष्ट्र तट पर संदिग्ध नाव मिलने से हड़कंप, नौसेना अलर्ट

रायगढ़. पुलिस और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों ने महाराष्ट्र में रायगढ़ जिले के रेवदांडा तट के पास एक संदिग्ध नाव की तलाश तेज कर दी है, जिसे 'संभवत: मछली पकड़ने वाली पाकिस्तानी नौका' बताया जा रहा है। रविवार रात को भारतीय नौसेना के रडार पर यह नाव रेवदांडा में कोरलाई तट से करीब दो समुद्री मील दूर देखी गई। उन्होंने बताया कि यह 'मछली पकड़ने वाली संभवतः पाकिस्तानी नौका' है, लेकिन नाव का पता लगाने के बाद ही इसकी पहचान की पुष्टि हो सकेगी।

8 लाख का इनामी नक्सली स्नाइपर-डिप्टी कमांडर ढेर

■ बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में मुठभेड़

बीजापुर. छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क एरिया में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई है। जिसमें 8 लाख का इनामी डिप्टी कमांडर और स्नाइपर सोढ़ी कन्ना मारा गया। सर्चिंग के दौरान उसका शव और 303 राइफल बरामद हुआ है।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि, जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादी कैडर की गतिविधियों की सूचना मिली थी। जिस पर डीआरजी बीजापुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, एसटीएफ, कोबरा 202, कोबरा 210 और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम को 4 जुलाई से सर्च ऑपरेशन पर भेजा गया था।

ऑपरेशन के दौरान सुरक्षाबलों और माओवादियों के बीच रुक-रुककर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ खत्म होने पर सर्चिंग के दौरान सोढ़ी कन्ना का शव और हथियार बरामद हुआ।

18 महीने में 415 हार्डकोर नक्सली ढेर- आईजी

IG सुंदरराज पी. ने बताया कि, साल 2024 में प्राप्त निर्णायक सफलताओं को आगे बढ़ाते हुए 2025 में भी सुरक्षा बल सघन, रणनीतिक और निरंतर अभियानों में जुटे हैं। पिछले 18 महीनों में अब तक 415 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किए गए। यह सुरक्षा बलों की कुशल योजना और साहसिक कार्रवाई का प्रमाण है।

उन्होंने कहा कि, भारी बारिश और दुर्गम पहाड़ियों के बावजूद DRG, STF, CoBRA, CRPF सहित सभी बल मनोयोग से ऑपरेशन चला रहे हैं। यह अभियान माओवादी नेटवर्क के लिए बड़ा झटका है।

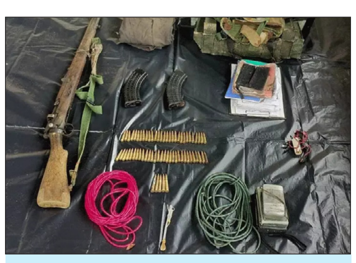

मुठभेड़ स्थल से बरामद सामग्री

- 303 राइफल और 5 जिंदा राउंड
- एके-47 मैग्जीन और 59 जिंदा राउंड
- माओवादी वर्दी
- कोडेक्स वायर, डेटोनेटर, सेफ्टी फ्यूज
- नक्सली साहित्य, रेडियो और दैनिक उपयोग की सामग्री।

बिहार में एक ही परिवार के 5 लोगों की हत्या

■ शवों को जलाकर छिपाया

■ अंधविश्वास में बड़ा कांड

पूर्णिया. बिहार के पूर्णिया में अंधविश्वास के फेर में एक ही परिवार के तीन महिलाओं सहित पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया। पूर्णिया जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रानीपतरा टेटगामा गांव में एक महादलित परिवार के साथ दिल दहला देने वाली घटना ने सबको झकझोर कर रख दिया है। मृतकों में तीन महिला में 70 वर्षीय मसोमात कातो, 50 वर्षीय बाबूलाल उरांव एवं उनकी 40 वर्षीय पत्नी सीता देवी, 30 वर्ष मनजीत कुमार व उनकी पत्नी 25 वर्षीय रानी देवी शामिल है। घटना की खबर के बाद गांव के सभी लोग गांव से फरार बताए जा रहे है। लोगों का कहना है कि गांव के कुछ लोगों को बाबूलाल उरांव की पत्नी सीता देवी पर डायन होने का शक था। शक के आधार पर लोग पिछले कुछ वर्षों से सीता देवी को डायन बताकर कर प्रताड़ित भी करते रहते थे। हाल के कुछ महीनों में इसी गांव में चार-पांच बच्चों की मौत हुई थी। इसके बाद लोगों को शक हुआ कि सीता देवी ने ही सबको मारा है। रविवार की संध्या भी सीता देवी के साथ गांव के कुछ लोगों की कहासुनी हुई थी।

MP में प्रमोशन में आरक्षण पर रोक

■ हाईकोर्ट ने कहा-नए नियम लागू नहीं कर सकते; पिछले महीने नई नीति में आरक्षण जोड़ा था

भोपाल. मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण पर फिलहाल रोक लगा दी है। सोमवार को पदोन्नति के नए नियमों को लेकर सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पुराने नियम (2002) और नए नियम (2025) में क्या फर्क है? सरकार इसका कोई साफ जवाब नहीं दे पाई।

इस पर एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने कहा कि अब अगली सुनवाई 15 जुलाई (मंगलवार) को होगी। तब तक सरकार नियमों का अंतर समझकर अदालत को बताए।

संघ की ओर से अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु ने हाईकोर्ट में दलील दी थी कि यह मामला फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए सरकार नए नियमों के तहत फिलहाल प्रमोशन में आरक्षण नहीं दे सकती।

सुप्रीम कोर्ट में मामला लंबित, फिर नए नियम क्यों बनाए?

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस और जजों की बेंच ने सरकार से यह भी सवाल किया कि जब पदोन्नति का मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तो फिर सरकार ने नए नियम क्यों बनाए? क्या पहले सुप्रीम कोर्ट से पुराना मामला वापस नहीं लेना चाहिए था?

राज्य सरकार की तरफ से एडवोकेट जनरल पेश हुए, लेकिन वे यह स्पष्ट नहीं कर सके कि 2002 और 2025 के नियमों में असली फर्क क्या है। उन्होंने कहा कि अभी यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है।

कोर्ट ने कहा कि जब तक इस मामले में हाईकोर्ट कोई अंतिम फैसला नहीं देता, तब तक सरकार नए नियमों के आधार पर कोई भी पदोन्नति या संबंधित कार्रवाई नहीं करे।

9 साल बाद बनी नई प्रमोशन पॉलिसी

राज्य सरकार ने जून 2025 में नई प्रमोशन नीति लागू की थी, जिसमें आरक्षण का प्रावधान जोड़ा गया था। इस नई नीति को सपाक्स संघ ने तीन अलग-अलग याचिकाओं के जरिए हाईकोर्ट में चुनौती दी है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु का कहना है कि प्रमोशन में आरक्षण देने के नियम का कोई औचित्य नहीं है। यह नीति संविधान के खिलाफ है। उनका कहना है कि पहले हाईकोर्ट इस पर रोक लगाने (स्टे) को तैयार था, लेकिन महाधिवक्ता की ओर से दी गई अंडरटेकिंग में कहा गया कि सरकार फिलहाल नए नियमों के तहत प्रमोशन में आरक्षण लागू नहीं करेगी, लेकिन इसके लिए उन्हें थोड़ा समय दिया जाए।

केरल टूर पर विवाद; हिसार की यूट्यूबर ज्योति को कोर्ट ने फिर जेल भेजा

हिसार. पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार हुई हरियाणा के हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को लेकर नया खुलासा हुआ है। सूचना का अधिकार (RTI) के तहत दायर की गई एक याचिका के जवाब में सामने आया है कि ज्योति राज्य सरकार के निमंत्रण पर केरल गई थी।

केरल सरकार में टूरिज्म मिनिस्टर पीए मोहम्मद रियाज ने भी कंफर्म किया है कि ज्योति समेत कई ब्लॉगर्स को केरल बुलाया गया था, ताकि वे केरल के टूरिज्म को देश और दुनिया में फैला सकें। इनका खर्चा सरकार ने उठाया था।

मिनिस्टर रियाज ने कहा-

हमने यूट्यूबर्स को अच्छी नीयत के साथ केरल में इनवाइट किया था। इस बारे में सभी जानते हैं। पहले भी ऐसा होता आया है। आपको क्या लगता है कि राज्य सरकार ज्योति को जासूसी के लिए इनवाइट किया और उसे संबंधित सारी मदद दी गई?

इधर, जासूसी मामले में ज्योति की सोमवार (7 जुलाई) को छठी बार कोर्ट में पेशी हुई। इसके बाद ज्योति को फिर से 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना की तरफ से चलाए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ज्योति को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

केरल में ज्योति मल्होत्रा ने कोच्चि, कन्नूर, कोझीकोड, अलपुझा, मुन्नार और तिरुवनंतपुरम का दौरा किया था। इस दौरान उसने वीडियो बनाए और 31 जनवरी 2025 को यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए।

भारत की घर से बाहर सबसे बड़ी जीत

■ शुभमन बर्मिंघम टेस्ट जीतने वाले इकलौते भारतीय कप्तान

■ आकाशदीप ने 10 विकेट लिए

भारत ने इंग्लैंड को बर्मिंघम टेस्ट में 336 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। यह भारत की घरेलू मैदान से बाहर रन के अंतर से सबसे बड़ी जीत रही। टीम ने बर्मिंघम में पहली बार ही कोई टेस्ट जीता। आकाशदीप ने मैच में 187 रन देकर 10 विकेट लिए। यह बर्मिंघम में किसी भारतीय गेंदबाज से बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड रहा।

भारत ने बर्मिंघम में पहली बार टेस्ट जीता। टीम यहां 1967 से टेस्ट खेल रही है, लेकिन जीत पहली बार ही मिली। भारत ने इससे पहले बर्मिंघम में 8 टेस्ट खेले थे, 7 गंवाए और एक ड्रॉ कराया। कप्तान शुभमन बर्मिंघम में टेस्ट जीतने वाले भारत के पहले कप्तान बने। भारत ने इंग्लैंड को बर्मिंघम में 336 रन के बड़े अंतर से हराया। यह घरेलू मैदान से बाहर रन के अंतर से भारत की सबसे बड़ी जीत है। टीम ने इससे पहले 2016 में एंटीगुआ के मैदान पर वेस्टइंडीज को 318 रन से हराया था। कप्तान शुभमन की कप्तानी में भारत ने रन के अंतर से इंग्लैंड में भी सबसे बड़ी जीत का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले टीम ने 1986 में लीड्स के मैदान पर 279 रन से मुकाबला जीता था।

आकाशदीप ने बर्मिंघम टेस्ट की पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लिए। उन्होंने 187 रन पर 10 विकेट के साथ मैच खत्म किया। वे बर्मिंघम में बेस्ट बॉलिंग करने वाले भारतीय बने। उनसे पहले 1986 में चेतन शर्मा ने 188 रन देकर मैच में 10 विकेट लिए थे।

शुभमन गिल ने पहली पारी में 269 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में 161 रन बना दिए। उन्होंने एक टेस्ट में 430 रन बनाए। यह किसी भारतीय प्लेयर और कप्तान के लिए एक टेस्ट में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड रहा। गिल ने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2017 में श्रीलंका के खिलाफ मैच में 293 रन बनाए थे।

पाकिस्तान में पालतू शेर के हमले में महिला-बच्चे घायल

■ पुलिस ने मालिक को गिरफ्तार किया

■ बिना लाइसेंस के शेर पाल रहा था

लाहौर. पाकिस्तान के लाहौर शहर में एक पालतू शेर के मालिक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शेर ने एक महिला और उनके 2 छोटे बच्चों पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया था।

यह हमला बुधवार रात को हुआ, जब शेर अपने पिंजरे से निकलकर एक रिहायशी इलाके में पहुंच गया और वहां मौजूद महिला और उसके पांच और सात साल के बच्चों पर झपट पड़ा।

इस हमले का CCTV वीडियो भी सामने आया है, जिसमें शेर को एक दीवार फांदकर इलाके में घुसते और लोगों पर हमला करते हुए देखा जा सकता है। इसमें महिला को खुद को संभालते हुए और फिर मदद के लिए भागते हुए देखा जा सकता है, वहीं आसपास के कुछ लोग डर के मारे इधर-उधर भाग रहे हैं।

मालिक ने शेर को रोकने की कोशिश नहीं की

लाहौर पुलिस ने शेर के मालिक पर बिना लाइसेंस शेर रखने और लापरवाही बरतने का केस दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी फैसल कामरान ने बताया कि शेर के हमले में महिला और बच्चों के चेहरों और हाथों पर चोटें आईं।

पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों के पिता ने बताया कि शेर के मालिक मौके पर मौजूद थे, लेकिन उन्होंने शेर को रोकने की कोई कोशिश नहीं की और बस खड़े होकर सब कुछ देखते रहे। कुछ समय बाद शेर खुद ही अपने मालिक के फार्महाउस लौट गया, जहां से उसे पुलिस और वन्य जीव अधिकारियों ने पकड़कर जू पार्क पहुंचा दिया है।

राजा के परिवार ने हायर किए 3 वकील

■ कोर्ट में सोनम-राज के नार्को टेस्ट की मांग करेंगे

■ भाई बोला- मर्डर की वजह जानना है

इंदौर. इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर अब शिलॉन्ग हाईकोर्ट में अपील की जाएगी। इसके लिए राजा के परिवार ने 3 वकील हायर कर लिए हैं। हाईकोर्ट में अपील खारिज होती है तो परिजन सुप्रीम कोर्ट भी जाएंगे।

दरअसल, राजा का परिवार आज भी उसकी हत्या की वजह तलाश रहा है। परिजन का मानना है कि नार्को टेस्ट के जरिए ही आरोपी हत्या की वजह बताएंगे। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा- मैं आरोपियों के नार्को टेस्ट की मांग को लेकर इसी हफ्ते शिलॉन्ग जाऊंगा।

हत्या में बड़ा नेटवर्क शामिल होने का शक

विपिन ने कहा- राजा की हत्या सोनम और राज ने क्यों की, ये अभी तक सामने नहीं आया है। मुझे शक है कि इसमें बड़ा नेटवर्क शामिल है। नार्को टेस्ट से इस नेटवर्क का खुलासा होगा और वजह भी सामने आएगी।

कहीं न कहीं मुझे लगता है कि उन्होंने राजा को मारने के लिए वकील या पुलिस की सलाह ली होगी या तांत्रिक क्रिया की होगी। इनका नेटवर्क बड़ा है, जो बाहर नहीं आ रहा है। मैं इसी हफ्ते मंगलवार से शनिवार के बीच पहले दिल्ली और फिर वहां से शिलॉन्ग जाऊंगा।

विपिन रघुवंशी ने कहा- मेघालय पुलिस नार्को टेस्ट नहीं कराना चाहती है, हमें उसमें कोई परेशानी नहीं है। पुलिस ने मामले की बारीकी से जांच की है। 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी कार्रवाई पर कोई संदेह नहीं है। मैं उनके काम से संतुष्ट हूं, लेकिन मैं भाई होने का पूरा फर्ज निभाऊंगा।

पहली बार एक प्राइवेट बिल्डर बनाएगा डेढ़ किमी का फ्लाईओवर

बेंगलुरु. देश में सरकारी जमीन पर रोड या फ्लाईओवर बनाने का काम सरकारी पैसे से ही होता है। लेकिन अब बेंगलुरु में एक रियल स्टेट कंपनी को निजी तौर पर सरकारी जमीन पर फ्लाईओवर बनाने की मंजूरी मिल गई है।

ऐसा पहली बार होगा, जब रियल एस्टेट निर्माणकर्ता सार्वजनिक उपयोग के लिए फ्लाई ओवर का निर्माण करेगी। बेंगलुरु महानगरपालिका से मंजूरी मिलने के बाद प्रेस्टीज ग्रुप 1.5 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड फ्लाई ओवर बनाने की योजना पर आगे बढ़ रहा है, जो बेल्लांदूर में निर्माणाधीन टेक पार्क को सीधे बेंगलुरु में आउटर रिंग रोड से जोड़ेगा। डेक्कन हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक यह फ्लाईओवर एक पब्लिक रोड और एक स्टॉर्मर ड्रेनेज के किनारे से गुजरेगा।

इतने बड़े बॉस हो तो आओ बिहार, पटक-पटक कर...

राज ठाकरे को निशिकांत दुबे की खुली चुनौती

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव और बीएमसी चुनावों से पहले मुंबई में गैर मराठियों खासकर हिन्दीभाषियों से मारपीट और हिन्दी विरोध का मामला अब सियासी मुद्दा बन चुका है। भाजपा समेत कई राजनीतिक दलों ने इस मुद्दे पर राज ठाकरे और उनकी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (MNS) को आड़े हाथों लिया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने ताजा हमले में राज ठाकरे को खुली चुनौती दी है कि अगर हिम्मत है तो वो महाराष्ट्र से बाहर निकलकर देखें। दुबे ने दो टूक कहा, ₹अगर आप बहुत बड़े बॉस हो तो चलो बिहार। चलो उत्तर प्रदेश। चलो तमिलनाडु। तुमको पटक-पटक कर मारेंगे।₹

गुवाहाटी में समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए निशिकांत दुबे ने राज ठाकरे का नाम लिए बिना कहा, ₹...आप लोग हमारे पैसे से जी रहे हैं। आपके पास किस तरह के उद्योग हैं? अगर आपमें इतनी हिम्मत है कि आप हिंदी बोलने वालों को पीटते हैं, तो आपको उर्दू, तमिल और तेलुगु बोलने वालों को भी पीटना चाहिए। अगर आप इतने बड़े 'बॉस' हैं, तो महाराष्ट्र से बाहर आएँ, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु में आएँ - 'तुमको पटक पटक के मारेंगे'।₹

आप किसकी रोटी खा रहे हो? दुबे ने पूछे सवाल

आक्रामक दुबे ने ठाकरे बंधुओं से सवाल पूछा, "आप किसकी रोटी खा रहे हो? टाटा, बिरला, रिलायंस की महाराष्ट्र में यूनिट तक नहीं है। टाटा ने पहली फैक्ट्री तब के बिहार में बनाई। हमारे पैसे पर पल रहे हो, तुम कौन सा टैक्स देते हो? कौन सी इंडस्ट्री है तुम्हारे पास, सारे माइंस हमारे पास है या फिर झारखंड के पास है और छत्तीसगढ़ के पास है। मध्य प्रदेश के पास है, ओडिशा के पास है पर आपके पास कौन सी माइंस है?

हम मराठी और महाराष्ट्र के लोगों का सम्मान करते हैं

हालांकि, दुबे ने कहा कि हम सभी मराठी और महाराष्ट्र के लोगों का सम्मान करते हैं, जिन्होंने भारत की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा, ₹बीएमसी चुनाव होने वाले हैं और इसीलिए, राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे सस्ती राजनीति कर रहे हैं। अगर उनमें हिम्मत है - तो उन्हें माहिम जाना चाहिए और माहिम दरगाह के सामने किसी भी हिंदी या उर्दू बोलने वाले को पीट कर दिखाना चाहिए।₹

संक्षेप...

18 जुलाई से हड़ताल पर जा सकती हैं 30 हजार नर्सें

मुंबई. सरकार द्वारा संविदा के आधार पर की जा रही नर्सों की नियुक्त और सातवें वेतन आयोग के क्रियान्वयन की अनदेखी का आरोप लगाते हुए राज्य के विभिन्न सरकारी अस्पतालों में कार्यरत करीब 30 हजार नर्सों ने 18 जुलाई से हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। अगर नर्सें हड़ताल पर जाती हैं तो राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की संभावना है।

हिंदुओं को पीटना पहलगाम हमले जैसा

मराठी भाषा विवाद, मंत्री शेलार बोले- कुछ नेता इसका आनंद ले रहे

- अठावले की मांग- MNS कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई हो

मुंबई. मुंबई में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले मराठी बोलने को लेकर विवाद बड़ा सियासी मुद्दा बनता जा रहा है। हिंदीभाषी लोगों के खिलाफ हिंसा के बीच महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने पहलगाम आतंकी हमले और मुंबई में 'हिंदुओं' की पिटाई को एकसमान बताया है।

शेलार ने उद्धव-राज ठाकरे का नाम न लेते हुए रविवार को कहा कि राज्य देख रहा है कि कैसे कुछ नेता 'अन्य हिंदुओं की पिटाई का आनंद ले रहे हैं।' उनकी यह टिप्पणी उस घटना के बाद आई है, जिसमें MNS कार्यकर्ताओं ने मुंबई में मिठाई की दुकान के मालिक की मराठी न बोलने पर पिटाई कर दी थी।

इसके अलावा शनिवार को मनसे कार्यकर्ताओं ने शेयर बाजार निवेशक सुशील केडिया के वर्ली स्थित दफ्तर के कांच के दरवाजे तोड़ दिए थे। केडिया ने राज ठाकरे को चुनौती देते हुए कहा था कि वे मराठी नहीं बोलेंगे।

इधर, केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हालिया टिप्पणियों की आलोचना की है और उन्हें 'दादागिरी' को बढ़ावा देने वाला बताया और MNS कार्यकर्ताओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की

- अठावले बोले- ऐसी घटनाओं से उद्योग बंद हो जाते हैं

केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि लोगों को मराठी बोलने के लिए मजबूर करना गलत है। हिंसा में शामिल मनसे कार्यकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। अठावले ने राज के रुख पर पूछा कि ऐसी घटनाओं के कारण उद्योग बंद हो जाते हैं तो क्या वे सभी को रोजगार देंगे।

भिवंडी में ढाई लाख का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

भिवंडी. भिवंडी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में धड़ल्ले से प्रतिबंधित गुटखा मुंहमांगी कीमत पर बेचा जा रहा है. नारपोली पुलिस ने एक रिक्शा पर छापा मारकर बिक्री के लिए ले जाया जा रहा 2,68,600 रुपये का गुटखा जब्त किया.

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब 5:30 बजे जब स्थानीय पुलिस शहर के धामनकर नाका और अंजुरफाटा रोड के बीच गश्त कर रही थी.ग़श्ती पुलिस को एक संदिग्ध रिक्शा में गुटखा परिवहन करने की सूचना मिलने पर रिक्शा रोका. रिक्शा में रिक्शा चालक गैबीनगर निवासी कामिल शकील अहमद अंसारी को रिक्शा में अवैध रूप से 2,68,600 रुपये का गुटखा ले जाते हुए स्थानीय पुलिस ने गुटखा सहित रिक्शा को जब्त कर लिया. कामिल अंसारी के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया.

भिवंडी में गड्ढों का साम्राज्य, दुर्घटनाओं में वृद्धि

- वाहन चालकों व नागरिकों में गुस्सा
- मनपा अधिकारियों को नजर नहीं आते गड्ढे!

वी. सिंह

भिवंडी. भिवंडी शहर में प्रतिवर्ष करोड़ों रुपए गड्ढा दुरुस्ती पर खर्च होने के बाद भी घटिया सामग्री से भरे गए गड्ढे थोड़ी सी बरसात में ही जस के तस हो जाते हैं. बरसात के कारण शहर की सड़कें गड्ढों से भर गई हैं. भिवंडी शहर में गड्ढों का साम्राज्य हो गया है.गड्ढों की दुरुस्ती नहीं होने की वजह से भारी यातायात जाम लगने से लोगों का जीवन बेहाल हो गया है.शहर के जागरूक नागरिकों ने मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर से गड्ढों की दुरुस्ती फौरन किए जाने का अनुरोध किया है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी की लगभग सभी पक्की सड़कों पर ढेर सारे गड्ढे हैं, जिससे वाहनों का

उनसे होकर गुजरना मुश्किल हो जाता है. यदि आप अपना संतुलन थोड़ा भी खो देते हैं तो कीचड़ में गिरने और घायल होने का पूरा खतरा रहता है. भिवंडी शहर में जहां भी डामर रोड हैं वहां जानलेवा गड्ढे हो गए हैं.

शहर स्थित तीन बत्ती, मंडई बाजार, भोईवाड़ा क्षेत्र, मानसरोवर खदान मार्ग सहित शहर की तमाम संपर्क सड़कें और चौराहे गड्ढों से भरे हुए हैं. शहर स्थित सभी पाश रहिवासी सोसाइटी ब्राह्मण आली, गोपाल नगर, अंजूरफाटा,ओसवाल वाडी, कामतघर, मानसरोवर में भी सड़कों का बेहद बुरा हाल है.भिवंडी शहर के प्रवेश द्वार साईं बाबा मंदिर से ही गड्ढों की श्रृंखला शुरू हो जाती है.

धामणकर नाका से पार नाका, मंडई, तीन बत्ती,मनपा मुख्यालय तक एमएमआरडीए द्वारा निर्माणाधीन करीब 20 करोड़ का आरसीसी मार्ग ठेकेदार की लापरवाही से गड्ढों की चपेट में है.स्कूल के बच्चे गड्ढों में गिरकर चोटिल होते हैं. ठेकेदार की मनमानी से वाहन चालक, पैदल यात्री दुख भोग रहे हैं.मार्ग किनारे जगह जगह बारिश का पानी गड्ढों में जमा होने से बरसात के दौरान गड्ढे छोटे तालाब की शक्ल अख्तियार कर लेते हैं जिनसे होकर गुजरना खतरे को दावत देने जैसा होता है.

भ्रष्ट ठेकेदार, अधिकारी पर हो कार्यवाही

शहर के जागरूक नागरिकों ने मनपा प्रशासक,आयुक्त अनमोल सागर से गड्ढा दुरुस्ती का कार्य अंजाम देने वाले ठेकेदारों एवं संबंधित एरिया इंजीनियरों पर कड़क कार्यवाही की मांग की है. घटिया कार्य करके मनपा तिजोरी को लूटने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्टेड करने की मांग की है.

करोड़ों खर्चा लेकिन गड्ढों से मुक्ति नहीं

भिवंडी मनपा द्वारा प्रतिवर्ष गड्ढों की दुरुस्ती की खातिर करीब 5 करोड़ रुपए से अधिक खर्च कर दुरुस्ती का कार्य अंजाम दिया जाता है.मनपा भ्रष्ट ठेकेदारों द्वारा एरिया इंजीनियरों की मिलीभगत से दुरुस्ती कार्य बेहद घटिया तरीके से अंजाम देने से कुछ ही माह में गड्ढे जस के तस हो जाते हैं.भिवंडी में नाला सफाई, गड्ढा दुरुस्ती में भारी भ्रष्टाचार होने से नागरिकों की गाढ़ी कमाई से दिया गया टैक्स भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है.

अधिकारियों की आंखे बंद

शहर के जागरूक नागरिक पूर्व शिक्षण सभापति प्रदीप राका, पूर्व उप महापौर डा. नूरुद्दीन अंसारी,अनस अंसारी, समाजसेवक कृष्णा गाजेंगी, रिटायर शिक्षक महेंद्र प्रताप सिंह,एड व्यंकटेश चिटकेन आदि का कहना है कि,भिवंडी सिविल कोर्ट जज, भिवंडी प्रांत अधिकारी, मनपा शीर्ष अधिकारी, पुलिस उपायुक्त, तहसीलदार जैसे प्रशासनिक उच्चाधिकारी प्रतिदिन भिवंडी कार्यालय आते हैं.

आश्चर्य है कि,शहर की तमाम सड़कों पर हुए गड्ढों को आते जाते समय 2 बार देखने के बाद भी गड्ढों की दुरुस्ती को लेकर गंभीरता नहीं दिखाते हैं.गाड़ी का कांच बंद कर भिवंडी की दुर्दशा से आंखे बंद कर आगे निकल जाते हैं. सवाल यह उठता है कि क्या उन्हें ये गड्ढे नजर नहीं आते हैं ? मनपा प्रशासक,आयुक्त बंगले से कामतघर की ओर जाने वाली सड़क और अन्य सड़कों पर या तो कंक्रीट का काम चल रहा है या फिर डामर की सड़कों पर सिर्फ गड्ढे हैं.

भारी बारिश से भिवंडी बेहाल

- दिहाड़ी मजदूरों को रोजगार के लाले

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी में बिगत 5 दिन से रुक-रुक कर जारी मूसलाधार बरसात की वजह से शहर के सभी प्रमुख मार्गों सहित निचले इलाकों में पानी भर गया है.भारी बरसात होने से शहर की दशा बदहाल हो गई है. भिवंडी- वाड़ा मार्ग स्थित नदी नाका जंक्शन पर पानी भर जाने से करीब 4 घण्टे यातायात अवरुद्ध हुआ जिसे सुचारू किये जाने में ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के पसीने छूट गए.बरसात की वजह से शहर के प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक जाम की भयंकर समस्या से लोगों को जूझना पड़ रहा है. मनपा प्रशासक, आयुक्त अनमोल सागर के निर्देश पर मनपा आपत्तिव्यस्थापन की टीम समूचे शहर में घूम-घूम कर जल निकासी व्यवस्था को सुचारू किये जाने में जुटी दिखाई पड़ी. दिहाड़ी गरीब मजदूरों को भारी बरसात की वजह

से कोई काम नहीं मिलने से मायूस होकर घर लौटना पड़ रहा है.गरीब मजदूरों के रोजगार के लिए बारिश आफत बनी हुई है. गौरतलब हो कि बिगत 5 दिनों से रुक रुक कर हो रही मूसलाधार बारिश भिवंडी शहर में आफत साबित हुई है.मूसलाधार बारिश की वजह से शहर स्थित धामननकर एसटी मार्ग स्थित कमला होटल,टोरेंट पावर आफिस के सामने,तिरुपति अस्पताल,गोपाल नगर ट्रैफिक कार्यालय के पास भारी पानी जमा हो गया.

तीन बत्ती, मंडई, शिवाजी चौक,नजराना कम्पाउंड, निजामपुर चौक मार्ग, मिल्लत नगर,खंडू पाडा,अवचित पाड़ा, गुलजार नगर, दरगाह रोड,आजमी नगर, कारीवली, भंडारी कम्पाउंड, देवजी नगर,अजंता कम्पाउंड सहित गणेश टाकीज, विट्ठल नगर, पद्मानगर, फेना पाड़ा, कामतघर जैसे निचले इलाकों में पानी का भारी जलजमाव होने से क्षेत्रीय नागरिकों को भारी तकलीफ उठानी पड़ रही है.शहर में कई जगहों पर पेड़ों की डालियां टूटकर मार्ग पर गिर गई हैं.भिवंडी-वाड़ा मार्ग स्थित कामवारी नदी उफान पर होने से नदी नाका जंक्शन पर भारी पानी का जलजमाव होने से सैकड़ों घरों में पानी भर जाने से काफी आर्थिक नुकसान हुआ और लोगों को अन्यत्र परिचितों के घर शरण लेनी पड़ी है.

पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में लाउडस्पीकर, पटाखे, बैंड पर प्रतिबंध

- मनपा, वन विभाग और पुलिस संयुक्त कार्रवाई करेंगे

ठाणे. शहर के येऊर परिसर में रात्रिभोज, शादी, पार्टी आदि जैसे समारोह होते हैं। देर रात तक लाउडस्पीकर, बैंड, पटाखे बजाए जाते हैं। पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में यह प्रतिबंधित हैं।इसलिए मनपा ने इसको तत्काल रोकने का फैसला किया है। इसके लिए आयुक्त राव ने स्पष्ट किया है कि मनपा पहले वहां अनधिकृत गैर-आवासीय व्यावसायिक निर्माण का सर्वेक्षण करेगा।

नगर विकास विभाग ने येऊर में आवासीय निर्माण की अनुमति दे दी है। यह निर्माण व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जा रहा है या नहीं, इसकी भी जांच इस सर्वेक्षण

में की जाएगी। आयुक्त राव ने मनपा के अधिकारियों को सभी अनाधिकृत व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को बंद करने के लिए नोटिस भेजने के निर्देश भी दिए हैं। येऊर में मनपा, वन विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जाएगी।

उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार येऊर में अनाधिकृत टर्फ पर कार्रवाई की जा रही है। इसकी समीक्षा के लिए सोमवार दोपहर को माजीवाडा स्थित मनपा के नगरीय अनुसंधान केंद्र में बैठक आयोजित की गई।

मनपा आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में हुई बैठक में पुलिस उपायुक्त प्रशांत कदम, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान के उपनिदेशक प्रदीप पाटिल, क्षेत्र वन अधिकारी मयूर सुरवसे, विधि अधिकारी मकरंद काले, याचिकाकर्ता रोहित जोशी, उपायुक्त दिनेश तायडे, उपायुक्त मधुकर बोडके, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान, सहायक आयुक्त (वर्तक नगर) विजय कावले आदि उपस्थित थे।येउर में 10 अनधिकृत टर्फ में से 8 टर्फ पर कार्रवाई की गई है। दो टर्फ मालिकों ने 10 जुलाई तक खुद ही टर्फ हटाने पर सहमति जताई है।यदि स्वयं इसे नहीं हटाते हैं तो मनपा इस पर भी कार्रवाई करेगी।

युवती का शव सुनसान जगह पर मिला; गला घोंटकर हत्या

ठाणे. घोड़बंदर के वाघबिल इलाके में एक युवती का शव सुनसान जगह पर मिला. प्रारंभिक जांच से पता चला है कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई है और कासरवडावली पुलिस उसकी पहचान के प्रयास कर रही है. कासरवडावली पुलिस की एक टीम वाघबिल के शेनडोबा मंदिर क्षेत्र में गश्त कर रही थी. उस समय स्थानीय लोगों ने पुलिस को रोका और उन्हें सूचना दी कि वहां एक महिला का शव है.

जब टीम मौके पर गई तो वाघबिल जूना रोड इलाके में एक सुनसान जगह पर 16 से 18 साल की एक लड़की का शव मिला. उसके गले में भी कपड़े से लपेटा हुआ था. प्रारंभिक जांच में पता चला कि महिला की हत्या की गई है, पुलिस ने महिला की तस्वीर सोशल मीडिया पर प्रसारित की. लेकिन महिला की पहचान नहीं हो सकी.

'मनपा के अधिकारी अनधिकृत निर्माण करने वालों से 300 रुपए प्रति वर्ग फुट वसूलते हैं'

- राकांपा शहर अध्यक्ष सुहास देसाई ने किया खुलासा

ठाणे. मनपा के अधिकारी शहर का विकास करने के बजाय पैसा कमाने की होड़ में लगे हैं।इसी कारण अनाधिकृत निर्माण कार्य बढ़ने लगे हैं और वर्तमान में अनाधिकृत निर्माण करने वाले बिल्डरों से 300 रुपए प्रति वर्ग फुट वसूले जा रहे हैं,यह खुलासा राकांपा के जिला अध्यक्ष सुहास देसाई ने किया है।वही अतिक्रमण उपायुक्त शंकर पटोले कह रहे हैं कि ठाणे शहर में कोई अनाधिकृत निर्माण नहीं हो रहा है। जिस इलाके में वह उपायुक्त हैं, वहां घनी आबादी वाला आरएमसी प्लांट कई

वर्षों से चल रहा है। बी केबिन में आठ मंजिला विशाल टावर भी खड़ा किया गया है,यह देसाई ने कहा।सुहास देसाई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाणे शहर में वर्तमान में चल रहे अनाधिकृत निर्माणों का खुलासा किया। इस अवसर पर कार्याध्यक्ष प्रकाश पाटिल, महिला अध्यक्ष सुजाताताई घाग, प्रवक्ता रचना वैद्य, प्रदेश युवा महासचिव राजेश कदम, राजू चपले आदि उपस्थित थे। सुहास देसाई ने कहा कि खान कंपाउंड में कार्रवाई शुरू की गई है, जो ठाणे मनपा के अधिकार क्षेत्र में है। यह कार्रवाई भी हाईकोर्ट के आदेश के बाद की गई है।आज जिन इमारतों को गिराया गया है। क्या अधिकारी खड़े होकर सो रहे थे, इस सवाल का कोई जवाब नहीं है और अधिकारियों की नजर में पैसा था। वर्तमान में बालकुम में पांच, ढोकाली में बस्ती के सुविधा भूखंड पर चार, चरई में दो और लोकमान्य, वागले में कई अनधिकृत निर्माण चल रहे हैं। बी केबिन में आठ मंजिला टावर खड़ा किया गया है, जो उपायुक्त शंकर पटोले के अधिकार क्षेत्र में है। इन सभी निर्माणों के पीछे एकमात्र कारण अधिकारियों को मिलने वाले लाखों रुपये हैं।विशेष रूप से, इन संरचनाओं को गिराने के लिए लोगों के टैक्स के पैसे बर्बाद किए जा रहे हैं। इसीलिए देसाई ने मांग की है कि अनधिकृत निर्माणों को गिराने का खर्च संबंधित अधिकारियों से वसूला जाना चाहिए।

एयरपोर्ट पर रोती दिखीं नोरा फतेही

- फैन करीब पहुंचा तो बॉडीगार्ड ने दिया जोरदार धक्का,
- सोशल मीडिया पर अनहोनी का हिंट दिया था

दिलबर गर्ल नोरा फतेही रविवार शाम मुंबई एयरपोर्ट पहुंची थीं, जहां उन्हें रोते हुए देखा गया था। नोरा आंसू पोछते हुए एयरपोर्ट में एंटर हो रही थीं, जब उनके बॉडीगार्ड ने करीब आने वाले एक फैन को जोरदार धक्का दे दिया। वीडियो सामने आने से कुछ समय पहले ही नोरा ने सोशल मीडिया पर किसी करीबी के निधन पर हिंट दिया था।

रविवार को नोरा फतेही ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक स्टोरी शेयर कर लिखा है, इन्ना लिल्लाही व इन्ना इलैही राजिउन।

ये वो वाक्य हैं, जिन्हें इस्लाम में किसी के निधन के बाद पढ़ा जाता है। हालांकि नोरा ने अपनी पोस्ट में सीधे शब्दों में किसी शख्स से जुड़ी कोई जानकारी नहीं दी है।

इस पोस्ट के कुछ समय बाद ही नोरा मुंबई एयरपोर्ट पहुंची थीं। पूरे काले कपड़ों में पहुंचीं, नोरा बुरी तरह रोते हुए नजर आ रही थीं। वो बार-बार आंसू पोंछ रही थीं और उनकी टीम भी हड़बड़ाहट में नजर आ रही थी।

कार से उतरकर नोरा एयरपोर्ट के एंट्रेंस गेट की ओर बढ़ रही थीं, तभी एक फैन उनके करीब जाकर तस्वीर लेने की कोशिश करने लगा। ये देखते ही बॉडीगार्ड ने तेजी से आगे आकर उस शख्स को जोरदार धक्का देकर एक्ट्रेस के रास्ते से हटा दिया और फिर पीछे पलटकर तेज आवाज में चिल्लाया।

एयरपोर्ट से सामने आए वीडियो को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि रविवार को नोरा ने किसी करीबी को खो दिया है, जिसके पास पहुंचने के लिए वो मुंबई से रवाना हुई हैं।

200 ग्राम कोकीन के साथ नाइजेरियन गिरफ्तार

- बिना किसी वैध पासपोर्ट के मुंबई में रह रहा था

मुंबई. नशा निरोधी कक्ष (एएनसी) वर्ली यूनिट ने एक विदेशी नागरिक को मुंबई के मालाड इलाके से गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 200 ग्राम कोकीन बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग दो करोड़ बताई जा रही है। मामले में एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 8 (क) सह 21 (क) और विदेशी नागरिक अधिनियम 1946 की धारा 14अ (ब) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

एएनसी की टीम ने जेपी कॉलोनी, ऑरलेम, मार्वे रोड, मालाड इलाके में एक संदिग्ध विदेशी व्यक्ति को पकड़ा और उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से कोकीन बरामद हुई। इसके अलावा 5 लाख की होंडा सिविक कार और 70,000 रुपये के तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। गिरफ्तार किये गए आरोपी का नाम फ्रैंक नेन्डी (43) है, जो भारत में बिना वैध दस्तावेजों के रह रहा था।

आम सूचना

मैं भाग्यश्री रमेश गजरे सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, जनता मित्र मंडल, बैरक नं. 31/32 के सामने, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 07एओ014691600) उक्त प्रॉपर्टी श्री राजेंद्र हिरालाल रावल के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 05.7.2025 सी.नं. 327/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
भाग्यश्री रमेश गजरे

ठाणे शहर के कई इलाकों में मनाया गया मोहर्रम

- मुंब्रा, राबोड़ी, इंदिरानगर सहित कई इलाकों में मनाया गया पर्व

ठाणे. इस्लामी (हिजरी)कैलेंडर का पहला महिना मोहर्रम और मोहर्रम की 10 तारिक को आशुरा कहते।आज के दिन का इस्लाम धर्म में बहुत महत्व है।इस दिन इमाम हुसैन की शहादत भी हुई थी। बुराई के खिलाफ लड़ते हुए उन्होंने अपने पुरे खानदान की कुर्बानी देदि।उनकी की याद में हजूरी जमा मस्जिद में सुन्नी मुस्लिम हुसैनी कमेटी की ओर से 10 दिन तक मौलाना द्वारा तकरीर किया गया और समाज के लोगो ने जंग की दास्तां सुनी। वही हजूरी नूरी रोड पर नवयुवकों ने साबिल का कार्यक्रम रखा।इस अवसर पर शरबत का वितरण किया गया।वही संजय गांधी मार्केट के अध्यक्ष निजाम एच. शेख के साथ सभी व्यापारियों ने बड़े उत्साह के साथ में हसन हुसैन की याद में शरबत का वितरण किया गया।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

प्रभाग समिती क्र.1, सहाय्यक आयुक्त यांचे कार्यालय,
गोल मैदान, उल्हासनगर-1, दुरध्वनी क्र. 0251-2720139

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

जा.क्र.उमपा/प्र.स.1/33/2025 दिनांकः 7/07/2025

नोटीस

(महाराष्ट्र नागरी क्षेत्र झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975 चे कलम 8 (3) अन्वये)

उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रात प्रभाग समिती क्र. 1 चे हद्दीत खाली नमुद केलेल्या ठिकाणी वृक्ष तोडणेसाठी श्री. अंबादास तुळशीराम वाघ, इंदिरा गांधी कॉलनी, आर.पी.आय ऑफीस, सी ब्लॉक रोड, दुनिचंद कॉलेज जवळ, उल्हासनगर-01. येथे 1 जंगली जातीचे झाड सदरच्या झाडाच्या फांदया घराच्या छतावर पसरलेले आहे. सदर अहवालानुसार सदरचे झाडाच्या फांदया अवाढव्य पसरल्या आहेत तरी सदर झाडाच्या फांदया तोडणे आवश्यक असलेबाबत प्रस्ताव प्राप्त झालेला आहे. सदर ठिकाणी असणारे जंगली जातीचे एकूण 01 झाडाच्या फांदया तोडणे करीता मंजुरी मिळणेकामी प्रस्ताव वृक्ष अधिकारी तथा सहायक आयुक्त, प्रभाग समिती क्र.1 यांनी वृक्ष प्राधिकरणाच्या सभेपुढे ठेवण्याचे योजिले आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नांव	ठिकाण	झाडाचा तपशिल
1	श्री. अंबादास तुळशीराम वाघ	इंदिरा गांधी कॉलनी, आर.पी.आय ऑफीस, सी ब्लॉक रोड, दुनिचंद कॉलेज जवळ, उल्हासनगर-01	1. जंगली या जातीचे एकूण 01 झाडे विस्तारीत असुन सदर ठिकाणी झाड तोडणे बाबत. झाडाची उंची 30 ते 35 फुट आहे. तसेच झाडाचा बुंधा 03 ते 04 फुट व मुख्य फांद्या 2, बुंधा-जाडी 5-6 फुट.

उक्त नमुद केलेल्या ठिकाणी असलेले वृक्ष फांद्या छाटणेसाठी कोणत्याही इसमाची हरकत आल्यास त्यांनी आपली हरकत लेखी स्वरुपात दिनांक 11/07/2025 पूर्वी सहायक आयुक्त तथा वृक्ष अधिकारी प्रभाग समिती क्र.1, गोल मैदान, उल्हासनगर-421001 या कार्यालयात सादर करावी. मुदतीत लेखी हरकत प्राप्त झाल्यास संबधितास सुनावणी देऊन अंतीम निर्णय घेतला जाईल, विहित मुदतीत हरकत प्राप्त न झाल्यास प्रस्तुत प्रकरणी गुणवत्तेवर निर्णय घेण्यात येईल, याची नोंद घ्यावी.

जा.कृ. उमपा/ पीआरओ /189/2024
दिनांक :- 07/07/2024

सही/-
(अजय साबळे)
वृक्ष अधिकारी तथा सहा आयुक्त
प्रभाग समिती क्र 1
उल्हासनगर महानगरपालिका

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099